www.tamsasanket.com
वर्ष: 05 || अंक 287 || लखनऊ
मंगलवार
20 जनवरी 2026 || पृष्ठ: 04 || मूल्य: ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदय: 06:56
सूर्यास्त: 05:39
अधिकतम: 22:00
न्यूनतम: 11:00

विशेष समाचार 2029 के चुनाव के लिए तैयार है ... >> पेज 02 | हजरतगंज कोतवाली पहुंचीं नेहा सिंह ... >> पेज 04 | विवेक ओबेरॉय के ट्रेनर ने उनके...

86वां पीठासीन अधिकारी सम्मेलन शुरू

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने निष्पक्षता और संसदीय अनुशासन पर जोर दिया

सम्मेलन

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/लखनऊ। 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन (AIPOC) आज उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में प्रारंभ हुआ। तीन दिवसीय इस सम्मेलन का उद्घाटन उत्तर प्रदेश की माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल ने किया। लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में मुख्य संबोधन दिया। सम्मेलन में 28 राज्यों, 3 केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं तथा 6 विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारी सहभागिता कर रहे हैं। अपने उद्बोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारी चाहे जिस भी राजनीतिक दल से आते हो, उनका आचरण दलगत राजनीति से हटकर पूर्णतः न्यायपूर्ण एवं निष्पक्ष होना चाहिए तथा न्यायपूर्ण व निष्पक्ष दिखना भी चाहिए। अपने संबोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि विधायिका के माध्यम से जनता की आकांक्षाएं और आवाज़ शासन तक पहुँचती है, तथा उनका समाधान होता है।

“श्री बिरला ने कहा कि आधुनिक सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी और सोशल मीडिया के युग में जनप्रतिनिधियों के प्रत्येक आचरण पर जनता की दृष्टि रहती है, इसलिए संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन का पालन और भी अधिक आवश्यक हो गया है। उन्होंने कहा कि आज तकनीक के युग में जब चारों तरफ़ से सूचना का प्रवाह होता है, तब सदन की प्रामाणिकता बनाए रखना, हम सभी की महती ज़िम्मेदारी है। यह चौथी बार है जब उत्तर प्रदेश इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। अक्तूबर 1985 तथा जनवरीझ्फरवरी 2015 में इस सम्मेलन का आयोजन किया जा चुका है।”

लोक सभा अध्यक्ष ने दिया मुख्य संबोधन

अपने उद्बोधन में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने कहा कि पीठासीन अधिकारियों का आचरण राजनीतिक दलों से परे, न्यायपूर्ण और निष्पक्ष होना चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा कि सदन जितना अधिक चलेगा, उतनी ही गंभीर और परिणामोन्मुख चर्चा संभव होगी। उन्होंने कहा कि विधायिका के माध्यम से जनता की आवाज़ शासन तक पहुँचती है और समस्याओं का समाधान होता है। राज्य विधानमंडलों में घटता समय चिंताजनक है। इसके लिए सदस्यों को पर्याप्त समय दिया जाना चाहिए।

सम्मेलन का ऐतिहासिक महत्व

उत्तर प्रदेश चौथी बार इस प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। इससे पहले यह सम्मेलन दिसंबर 1961, अक्टूबर 1985 और जनवरी–फरवरी 2015 में आयोजित किया गया था। इस बार सम्मेलन में अधिक से अधिक तकनीकी और विधायी दक्षता पर जोर दिया जा रहा है। 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन 21 जनवरी, 2026 को संपन्न होगा। समापन सत्र में लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला संबोधन देंगे और सम्मेलन के परिणाम साझा करेंगे।

संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन पर जोर

लोक सभा अध्यक्ष ने कहा कि आधुनिक सूचना एवं संचार तकनीक और सोशल मीडिया के युग में जनता की निगरानी हमेशा रहती है। इसलिए संसदीय शिष्टाचार और अनुशासन का पालन अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन जैसे मंच लोकतांत्रिक संस्थाओं के बीच सहयोग बढ़ाते हैं और शासन व्यवस्था को प्रभावी बनाते हैं।

डायवर्जन फेल, 5 एम्बुलेंस फंसीं

कैसरबाग से सिटी स्टेशन तक भीषण जाम, हजरतगंत-सिविल अस्पताल रोड पर वाहनों की कतार

ट्रैफिक

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। विधान भवन में 18 से 23 जनवरी तक 86वां अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारियों और 62वां सचिवों का सम्मेलन आयोजित हो रहा है। सम्मेलन के मद्देनजर हजरतगंज इलाके में ट्रैफिक डायवर्जन किया गया है। इसकी वजह से शहर में जाम लग गया है। हजरतगंज में डायवर्जन लागू होते ही ट्रैफिक का दबाव वैकल्पिक मार्गों पर बढ़ गया। कैसरबाग, गोलागंज और सिटी स्टेशन रोड पर भीषण जाम लग गया। खासतौर पर गोलागंज से कैसरबाग को जाने वाले रास्ते पर अधिक जाम लगा। कैसरबाग बस अड्डे के पास कई बसें फंसी हैं। बलरामपुर अस्पताल और सिटी स्टेशन के पास 5 एम्बुलेंस भी जाम में फंसीं, जिससे मरीजों और उनके परिजनों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। क्रिश्चियन कॉलेज के पास भी ट्रैफिक पूरी तरह रेंगता नजर आया। वाहन चालकों को काफी मशक्कत करना पड़ा। लखनऊ ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, विधान भवन व इसके आसपास 19 से 21 जनवरी तक सुबह 8: 00 बजे से रात्रि 2 बजे तक डायवर्जन लागू रहेगा। बंदरियाबाग चौराहा से सामान्य यातायात राजभवन, डीएसओ चौराहा, हजरतगंज चौराहा, जीपीओ मोड, विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

इमरजेंसी और स्कूली वाहन जा सकेंगे

ट्रैफिक पुलिस के अनुसार, विधान भवन में कार्यक्रम के दौरान आम यातायात के लिए तय डायवर्जन मार्ग लागू रहेंगे। यदि किसी को तत्काल चिकित्सा जरूरत हो और कोई वैकल्पिक रास्ता न हो तो एम्बुलेंस, स्कूल वाहन, फायर ब्रिगेड और शव वाहन को ट्रैफिक/स्थानीय पुलिस की अनुमति से प्रतिबंधित मार्ग से भी जाने दिया जाएगा।

बंगाल एसआईआर, गड़बड़ी वाले 1.25 करोड़ नाम सार्वजनिक करने का निर्देश

सुप्रीम कोर्ट बोला- जांच पारदर्शी रहे, ताकि आम लोगों को परेशानी न हो

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के 1.25 करोड़ वोटर्स को अपना नाम वोटर लिस्ट में जुड़वाने के लिए एक और मौका दिया। कहा कि वे 10 दिन में अपने डॉक्यूमेंट्स चुनाव आयोग को पेश करें। चुनाव आयोग ने राज्य में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) के दौरान नाम, सरनेम, आयु में गड़बड़ी की वजह 1.25 करोड़ वोटर्स को लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी नोटिस जारी किया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस जोयमाल्या बागची की बेंच ने कहा- सिर्फ तर्क के आधार पर आम लोगों को परेशान नहीं किया जा सकता है। वोटर लिस्ट में सुधार की प्रक्रिया जरूरी है, लेकिन यह पारदर्शी और समय पर हो। चुनाव आयोग लोगों की परेशानी को समझे। लॉजिकल डिस्क्रेपेंसी के नाम पर अगर पिता और बच्चे की उम्र में 15 साल का अंतर दिखता है तो नोटिस भेज दिया जा रहा है, जबकि ड्राफ्ट रोल पहले से मौजूद है। मेरा कहना है कि पूरी लिस्ट प्रकाशित की जाए। कोर्ट निर्देश दे कि सभी BLO बीएलओ सुधार प्रक्रिया में सहयोग करें। हम स्पेलिंग की छोटी गलतियों पर नोटिस नहीं दे रहे हैं। कई बार उम्र का अंतर गलत एंट्री के कारण होता है। नोटिस का मतलब नाम हटाना नहीं, बल्कि मतदाता को सुधार का अवसर देना है। बूथ लेवल एजेंट (BLA) सभी राजनीतिक दलों से नियुक्त होते हैं। बल्क फॉर्म स्वीकार नहीं किए जा रहे। केवल मतदाता ही फॉर्म जमा कर सकता है। हालात बदल चुके हैं।

कोर्ट ने कहा कहा चुनाव आयोग गड़बड़ी वाली वोटर लिस्ट ग्राम पंचायत भवन, ब्लॉक कार्यालय और वार्ड कार्यालय में सार्वजनिक लगाए, ताकि लोगों को पता चल सके।

फास्ट न्यूज़

हाईकोर्ट का कुलदीप सेंगर की सजा पर रोक से इनकार

उन्नाव। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को रेपिस्ट कुलदीप सिंह सेंगर की सजा निलंबन की मांग वाली याचिका खारिज कर दी। उसे उन्नाव रेप पीड़ित के पिता की पुलिस हिरासत में मौत मामले में ट्रायल कोर्ट ने 10 साल के कठोर कारावास और 10 लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने कहा था कि परिवार के एकमात्र कमाने वाले सदस्य की हिरासत में मौत के मामले में कोई नरमी नहीं बरती जा सकती।

करूर भगदड़-एक्टर विजय से 8 दिन में दूसरी बार पूछताछ

नई दिल्ली/चेन्नई। करूर भगदड़ मामले में तमिलगा वेट्री कजगम (TVK) के चीफ और एक्टर विजय थलापति से CBI 8 दिन में दूसरी बार पूछताछ कर रही है। विजय सोमवार सुबह करीब 10:29 बजे नई दिल्ली स्थित CBI हेडकॉर्टर पहुंचे। उनसे पिछले पांच घंटे से पूछताछ जारी है। 12 जनवरी को उनसे छह घंटे से ज्यादा सवाल-जवाब किए गए थे। न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक, विजय दिल्ली के ताजमहल होटल में ठहरे हुए हैं। वहीं से वे काली रेंज रोवर में CBI हेडकॉर्टर पहुंचे है। उनसे भगदड़ को लेकर पूछताछ की जा रही है। दरअसल 27 सितंबर 2025 को करूर में विजय की रैली के दौरान भगदड़ हुई थी।

अखिलेश ने अविमुक्तेश्वरानंद से फोन पर बात की

प्रयागराज। प्रयागराज माघ मेले में धरने पर बैठे शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद से सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने फोन पर बात की। उनसे कहा कि जल्द आपसे मिलने आऊंगा, मैं आपके साथ हूं। वहीं शंकराचार्य ने कहा कि जब कोई बच्चा हिंदू धर्म में जन्म लेता है। तभी से उसका गंगा-यमुना में स्नान का अधिकार हो जाता है।

नितिन नबीन भाजपा के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे

विरोध में कोई उम्मीदवार खड़ा नहीं हुआ

निर्विरोध

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नबीन अब पार्टी के 12वें राष्ट्रीय अध्यक्ष होगें। सोमवार को दिल्ली में पार्टी हेडक्वार्टर में नॉमिनेशन प्रक्रिया की गई। राष्ट्रीय चुनाव अधिकारी डॉ. के. लक्ष्मण ने कहा- इस पद के लिए केवल नितिन नबीन का ही नाम प्रस्तावित हुआ है। उन्होंने कहा कि नितिन नबीन के समर्थन में कुल 37 सेट नामांकन पत्र दाखिल किए गए। नामांकन पत्रों की जांच की गई, जिसमें सभी वैध पाए गए। अब नितिन के नाम का औपचारिक ऐलान 20 जनवरी को किया जाएगा। आज हुई नॉमिनेशन प्रक्रिया के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, गृह मंत्री अमित शाह, केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा, नितिन गडकरी समेत सभी राज्यों के सीएम और सीनियर नेताओं ने नितिन के समर्थन में नामांकन पत्र जमा किया था। भाजपा ने 16 जनवरी को राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के चुनाव के लिए नोटिफिकेशन जारी किया था।

>> (शेष पेज 04 पर)

संजय राउत ने की सीएम देवेंद्र फडणवीस की तारीफ

बोले- जैसे पीएम मोदी का विदेश में भव्य स्वागत होता है वैसे ही

दावा

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। शिवसेना (UBT) के सांसद संजय राउत ने सोमवार को दावा किया कि शिंदे के बाद भाजपा भी अपने पार्षदों को किसी सुरक्षित जगह पर ले जाने की योजना बना रही है। राउत ने कहा- शिंदे अपने पार्षदों को पहले ही पांच सितारा होटल में भेज चुके हैं। सवाल है- कौन किससे डर रहा है? 29 नगर निगमों में मेयर पद के लिए 22 जनवरी को लॉटरी निकाली जाएगी। इसमें यह तय होगा कि पद ओपन कैटेगरी, अनुसूचित जाति/जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग या महिलाओं के लिए आरक्षित रहेगा। कैटेगरी तय होते ही उसी दिन या अगले दिन अधिसूचना जारी की जाएगी। इसके बाद सात दिन का नोटिस अनिवार्य होने के कारण मेयर चुनाव 29 या 30 जनवरी को होने की संभावना है। अगर अधिसूचना 23 जनवरी को जारी हुई तो मतदान 30 या 31 जनवरी को कराया जा सकता है। शिंदे गुट का पार्षदों को होटल में रखना, 2022 की उस बगावत की भी यादें ताजा कर रहा है, जिसके कारण शिवसेना टूट गई थी। दरअसल, मई 2022 महाराष्ट्र सरकार में नगर विकास मंत्री और शिवसेना नेता एकनाथ शिंदे ने 39 विधायकों के साथ बगावत कर दी थी।

>> (शेष पेज 04 पर)

शिवसेना बोली- वर्कशॉप के लिए पार्षदों को होटल ले गए

चुनाव नतीजों के बाद शिवसेना ने अपने 29 पार्षदों को बांद्रा के होटल ताज लैंड्स एंड में ठहराया है। पार्टी का कहना है कि होटल में पार्षदों के लिए ओरिएंटेशन वर्कशॉप किया जा रहा है, ताकि उन्हें देश की सबसे समृद्ध नगर निकाय BMC के कामकाज की जानकारी दी जा सके। सूत्रों का कहना है कि हॉर्स-ट्रेडिंग को रोकने के लिए यह सब किया जा रहा है।

होटल से ही चुनेंगे नेता, 2022 की बगावत की यादें ताजा

एक तरफ शिंदे जहां मेयर पद के लिए महायुति कैंडिडेट पर सहमति जता रहे हैं। वहीं सूत्रों के मुताबिक शिंदे गुट चाहता है कि कम से कम ढाई साल शिवसेना का मेयर होना चाहिए। क्योंकि साल 2026 शिवसेना संस्थापक बाला साहेब ठाकरे का जन्म शताब्दी वर्ष है।

“संजय राउत ने कहा- नगर निकाय चुनावों के नतीजों को देखते हुए कोई भी पार्टी आसानी से बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) मेयर पद पर दावा नहीं कर सकती। मुख्यमंत्री फडणवीस स्विट्जरलैंड में वर्ल्ड इकॉनोमिक फोरम की बैठक में हैं और यहां पार्षदों को इधर-उधर भेजा जा रहा है। यह अजीब है। महाराष्ट्र के 29 नगर निगमों में 15 जनवरी को चुनाव हुए थे। बीएमसी सहित अन्य निगमों के नतीजे 16 जनवरी को आया था। बीएमसी के 227 सीटों में भाजपा ने 89 वार्ड जीते।

सवाल : ये चाहते हैं कि लोग सवाल न करें, कांग्रेस ऐसा नहीं होने देगी

आरएसएस-बीजेपी कुछ बिजनसमैन के हाथों देश बेचना चाह रही : राहुल

- बच्चे के कहने पर राहुल ने उसके साथ सेल्फी ली। सेल्फी के बाद राहुल ने बच्चे के चॉकलेट भी दी।

तमसा संकेत, एजेंसी

राहुल गांधी ने कोच्चि में कांग्रेस की महापंचायत में संबोधित किया।

तिरुवनंतपुरम। राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि RSS और BJP चाहती है कि जनता सवाल न करें और चुप रहें, ताकि यह कुछ बिजनेसमैन के हाथों देश को बेच सकें। राहुल केरल के कोच्चि में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम ऐसा बिल्कुल नहीं होने देंगे।

>> (शेष पेज 04 पर)

राहुल की स्पीच की बड़ी बातें

- दिल्ली में हुई बैठकों में अलग-अलग नेताओं की अलग राय थी, लेकिन मैंने साफ कहा था कि यूडीएफ पंचायत और विधानसभा चुनाव जीतेगा। असली सवाल जीत के बाद का है।
- केरल में बेरोजगारी बड़ी समस्या है। यूडीएफ और कांग्रेस को ऐसा रोडमैप देना होगा, जिससे युवाओं को नौकरी मिले। मंच पर मौजूद नेतृत्व केरल की जनता की जरूरतों को समझता है और उन्हें पूरा कर सकता है।

राहुल गांधी बोले- चुप रहने की संस्कृति में लालच की भावना

इससे पहले राहुल ने एक कार्यक्रम में कलामासेरी में डॉ. एम लीलावती को केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी का प्रियदर्शिनी साहित्य पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इस दौरान राहुल ने कहा कि कोई भी देश अगर चुप रहता है तो वो महान नहीं हो सकता। चुप रहने की संस्कृति में लालच की भावना छुपी होती है। उन्होंने कहा कि महान राष्ट्र और महान लोग तब बनते हैं, जब वे अपने विचार और राय खुलकर व्यक्त करते हैं और उनके लिए संघर्ष करते हैं।

13 जनवरी: लोगों की आवाज दबाई जा रही, इससे लोकतंत्र को खतरा

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने 13 जनवरी को आरोप लगाया कि देश के लोकतांत्रिक ढांचे पर लगातार हमला हो रहा है उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक संस्थानों को निशाना बनाया जा रहा है। तमिलनाडु के नीलगिरी में एक स्कूल कार्यक्रम में शामिल होने पहुंचे राहुल गांधी ने छात्रों से बातचीत के दौरान यह बातें कहीं।

मणिकर्णिका घाट पर हंगामा, दरोगा की वर्दी फाड़ी

भीड़ उग्र हुई, तो पुलिस ने लाठी भांजकर खदेड़ा

विवाद

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी। अहिल्याबाई होल्कर की मूर्ति टूटने की सूचना पर सोमवार को पाल समाज के लोग मणिकर्णिका घाट पहुंचे। यहां विरोध प्रदर्शन और जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने उन्हें समझाने की कोशिश की, तो धक्का-मुक्की होने लगी। इस बीच प्रदर्शनकारियों ने पुलिस की वर्दी फाड़ दी। हालात बिगड़ने पर पुलिस ने लाठी भांजकर उन्हें खदेड़ा। पुलिस ने 18 लोगों को हिरासत में लेकर थाने में बैठाया है। प्रशासन ने 18 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया है। पाल समाज के लोगों का कहना है कि घाट पर जाकर देखेंगे कि कितनी तोड़फोड़ की गई है। वहीं, मणिकर्णिका घाट की भ्रामक पोस्ट और तस्वीरें वायरल करने के आरोप में 8 लोगों के खिलाफ FIR दर्ज की गई है। इनमें आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद संजय सिंह, कांग्रेस नेता पप्पू यादव सहित अन्य नाम शामिल हैं।

- अहिल्याबाई होल्कर मंदिर के बाहर पाल समाज के लोगों ने मंदिर और धरोहरों की सुरक्षा की मांग को लेकर नारेबाजी की।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

पतंगबाजी में मगन सरकार

असम के कालियाबोर में एक रैली को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने महाराष्ट्र नगरीय निकाय चुनावों को लेकर कांग्रेस पर एक बेहूदा टिप्पणी की। इन चुनावों में भाजपा ने कई निगमों पर अपना कब्जा जमाया है और सबसे बड़ी जीत तो बृहन्नमुंबई नगरपालिका में मिली है, जहां भाजपा ने शिवसेना को पीछे कर दिया है। लेकिन महाराष्ट्र के चुनावों में कांग्रेस को चौथा स्थान मिला है, जिस पर अपनी जीत का घमंड दिखाते हुए नरेन्द्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस का जन्म 1885 में मुंबई में हुआ था, लेकिन फिर भी वह अपनी नकारात्मक राजनीति के कारण पहले स्थान पर नहीं आ पाई। कांग्रेस ने देश का भरोसा खो दिया है क्योंकि उसके पास कोई विकास का एजेंडा नहीं है। महाराष्ट्र में जहां कांग्रेस ने सालों तक शासन किया, कांग्रेस पूरी तरह खत्म हो गई है। असम चुनावों में महाराष्ट्र के नगरीय निकाय चुनावों का जिक्र कर और उसमें भी कांग्रेस की हार पर टिप्पणी कर प्रधानमंत्री मोदी क्या हासिल करना चाहते हैं, यह समझना कठिन नहीं है। दरअसल उनकी सबसे बड़ी कुंठा ही यही है कि वे कांग्रेस को खत्म नहीं कर पा रहे हैं। नेहरूजी से लेकर राहुल गांधी तक के लिए तमाम अपमानजनक और अक्सर झूठी बातें कहने के बावजूद गांधी परिवार को धर्मनिरपेक्ष राजनीति से डिगा पाने में नरेन्द्र मोदी असफल रहे हैं, इसलिए उन्हें चुनावी जीत के बावजूद खुशी नहीं मिल पा रही। यूं भी नरेन्द्र मोदी चुनाव दर चुनाव जीतने के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों को कहां पूरा कर पा रहे हैं, उनकी जगह राहुल गांधी ही पीड़ितों के आंसू पोंछते नजर आते हैं। अभी इंदौर में ही कम से कम 24 लोगों की मौत गंदा पानी पीने से हो गई। इसमें लोगों की नहीं सरकार की गलती है, जो लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया नहीं करा पाई। अब भी कई लोग इसी वजह से अस्पताल में भर्ती हैं। लेकिन भाजपा अपनी गलती मानने की जगह मामले को किस तरह दबाने में लगी है, इसकी कई खबरें बाहर आ चुकी हैं। मध्यप्रदेश में भाजपा की सरकार है और इंदौर नगरनिगम पर भी भाजपा का ही कब्जा है। और इसके लिए भी भाजपा नेता नरेन्द्र मोदी को ही श्रेय देते हैं। जैसे रविवार के कई अखबारों में मुंबई में जीत का श्रेय नरेन्द्र मोदी को देने वाले विज्ञापन एकनाथ शिंदे ने छपवाए हैं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फड़नवीस ने भी मोदी के नेतृत्व को ही जीत का श्रेय दिया है। लेकिन क्या मोदी की भूमिका यहीं तक सीमित है कि वे भाजपा को किसी भी तरह से जीत दिलाएं और उसके बाद हारे हुए दलों पर नकारात्मक टिप्पणी करें। क्यों नरेन्द्र मोदी को अब तक फुर्सत नहीं मिली कि वे एक बार कुछ घंटों के लिए ही इंदौर चले जाते। वहां भी राहुल गांधी ही पहुंचे। राहुल गांधी ने पीड़ित परिवारों से मुलाकात कर लिखा कि बीजेपी की डबल इंजन सरकार का नया स्मार्ट सिटी मॉडल। पानी में ज़हर, हवा में ज़हर, दवा में ज़हर, ज़मीन में ज़हर, और, जवाब मांगो तो चलेगा बुलडोजर! कुछ इस तरह इस मॉडल में गरीबों की मौतों के लिए कोई भी ज़िम्मेदार नहीं होता। सरकार अभी उनकी लापरवाही से हुई इंदौर की त्रासदी की जवाबदेही ले- दोषियों को सजा और पीड़ितों को अच्छा इलाज और मुआवजा जल्द से जल्द दिलाए। बता दें कि राहुल गांधी के इंदौर आने पर भी भाजपा विरोध कर रही थी। उसके मुताबिक राहुल गांधी राजनीति के मकसद से आ रहे थे। हालांकि इसे भाजपा की नासमझी ही माना जाए, क्योंकि राजनेता अगर राजनीति न करे तो फिर क्या करे। और अगर पीड़ितों के हक में आवाज़ उठाना या उनके आंसू पोंछने आना राजनीति है, तो ऐसी राजनीति देश के हर जनप्रतिनिधि को करनी चाहिए। लेकिन मणिपुर से लेकर इंदौर तक हर बार राहुल गांधी ही पीड़ितों के साथ खड़े दिखते हैं। नरेन्द्र मोदी तो केवल पतंगबाजी, पूजा-पाठ, ट्रेन को हरी झंडी दिखाते या फिर चुनावी सभाओं को संबोधित करते दिखते हैं। हैरानी की बात ये है कि इस पर भी मीडिया नरेन्द्र मोदी से सवाल करने की जगह राहुल गांधी से ही सवाल करता है। शनिवार को ही जब राहुल इंदौर में थे, तो एक पत्रकार ने उनसे यही राजनीति करने वाला सवाल पूछा तो राहुल गांधी ने साफ कहा कि वे नेता प्रतिपक्ष हैं और उनकी जिम्मेदारी है कि वे लोगों के दुख में उनके साथ खड़े रहें। राहुल गांधी ने ये भी कहा कि उन्हें फर्क नहीं पड़ता कि कौन इस बारे में क्या सोचता है। यह सीधा लेकिन चुभता हुआ जवाब जनता को भी सुनना चाहिए जो इस बात से खुश रहती है कि उसके प्रधानमंत्री कितने धार्मिक आयोजनों में स्वांग भरते दिखाई देते हैं। उसे इस बात की नाराजगी होनी चाहिए कि प्रधानमंत्री अपनी जिम्मेदारी पूरी करते हुए क्यों नहीं दिखते। और प्रधानमंत्री की तर्ज पर ही अमित शाह भी चल रहे हैं। अभी पहलगाम और दिल्ली के आतंकी हमलों के जख्म भरे नहीं हैं। देश की सीमाओं पर लगातार खतरा बना हुआ है। नागरिकों को सुरक्षित महसूस नहीं हो रहा। लेकिन राजधानी दिल्ली को पतंगबाजी में अंतर-राष्ट्रीय ख्याति दिलाने की योजना अमित शाह बना रहे हैं। बता दें कि दिल्ली में अभी तीसरे अंतरराष्ट्रीय पतंग महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसमें केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने निर्देश दिए कि राजधानी को पतंगोत्सव का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय केंद्र बनाने के लिए एक विशेष समिति बनाई जाए। दिल्ली के बांसेरा पार्क में आयोजित डीडीए के सालाना पतंगोत्सव में शामिल हुए अमित शाह ने कहा कि दिल्ली में इस आयोजन को आगे बढ़ाने की अपार संभावनाएं हैं।

2029 के चुनाव के लिए तैयार है भाजपा के नये अध्यक्ष नितिन नबीन

> ज्ञात हो कि जेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव पार्टी की राष्ट्रीय परिषद और विभिन्न राज्य परिषदों के प्रतिनिधियों वाले एक इलेक्टोरल कॉलेज द्वारा बीजेपी संविधान के अनुसार, उम्मीदवार का नाम किसी राज्य के इलेक्टोरल कॉलेज के कम से कम 20 सदस्यों द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्तावित किया जाना चाहिए।

भारतीय जनता पार्टी के सांगठनिक ढांचे में आज एक बड़ा ऐतिहासिक बदलाव होने जा रहा है। पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष नितिन नवीन आज, 19 जनवरी को, देश की राजधानी स्थित भाजपा मुख्यालय में राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन दाखिल किया । इस कार्यक्रम को न केवल एक औपचारिक प्रक्रिया है । अगर सब कुछ तय रणनीति के मुताबिक रहा, तो 20 जनवरी को भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष मिल जाएगा यानि जब आप यह लेख पढ़ रहे होंगे तब तक नये अध्यक्ष के रूप में नितिन नबीन के नाम की घोषणा हो चुकी होगी क्योकि नितिन नबीन के निर्विरोध चुने जाने की पूरी संभावना है और ऐसा हुआ तो वे भाजपा के इतिहास में सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बन जाएंगे। नामांकित व्यक्ति ने पार्टी के सक्रिय सदस्य के रूप में चार कार्यकाल पूरे किए हों और उसकी न्यूनतम 15 साल की सदस्यता होनी चाहिए। संविधान में आगे यह भी कहा गया है कि ऐसा संयुक्त प्रस्ताव कम से कम पांच राज्यों से आना चाहिए जहां राष्ट्रीय परिषद के चुनाव पहले ही पूरे हो चुके हैं।शुक्रवार को चुनाव कार्यक्रम जारी करते हुए, पार्टी के राष्ट्रीय रिटर्निंग ऑफिसर के लक्ष्मण ने कहा था, यदि आवश्यक हुआ तो 20 जनवरी को मतदान होगा और उसी दिन नए बीजेपी राष्ट्रीय अध्यक्ष के नाम की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। कौन हैं नितिन नवीन? नितिन नवीन बिहार के एक सीनियर बीजेपी नेता हैं, जिनकी राजनीतिक जड़ें बहुत मज़बूत हैं। पटना में जन्मे, वह स्वर्गीय नवीन किशोर प्रसाद सिन्हा के बेटे हैं - जो एक सम्मानित बीजेपी नेता और पूर्व विधायक थे। अपने पिता की अचानक मौत के बाद उन्होंने एक्टिव राजनीति में कदम रखा और धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पहचान बनाई।उन्होंने पटना में बांकीपुर विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया है। नवीन को राज्य में बीजेपी के सबसे भरोसेमंद नेताओं में से एक माना जाता है। उन्होंने 2006 में उपचुनाव जीतने के बाद 2010, 2015, 2020 और 2025 में लगातार चार विधानसभा चुनाव जीते हैं हाल ही में हुए बिहार विधानसभा चुनावों में, नवीन ने बांकीपुर से शानदार जीत हासिल की, और अपने सबसे करीबी प्रतिद्वंद्वी को 51,000 से ज़्यादा वोटों के अंतर से हराया। उनकी लगातार चुनावी सफलता ने पार्टी के अंदर उनकी स्थिति को और मज़बूत किया है। फिलहाल, नवीन बिहार में नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली NDA सरकार में सड़क निर्माण और शहरी विकास विभाग संभाल रहे हैं यहां यह बताना ज़रूरी है कि नवीन को JD(U) के साथ बीजेपी के गठबंधन को मैनेज करने और NDA की चुनावी जीत में अहम भूमिका निभाने का श्रेय दिया जाता है। बिहार के अलावा, नवीन छत्तीसगढ़ में बीजेपी के प्रभारी भी रह चुके हैं, जो पार्टी के राष्ट्रीय ढांचे में उनके बढ़ते प्रभाव को दिखाता है गौरतलब है कि बीजेपी आलाकमान ने नितिन नबीन को अपना नया राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाने का बड़ा फैसला केवल संगठनात्मक स्तर पर नहीं लिया, बल्कि देश की राजनीति को भी एक स्पष्ट संदेश दिया है। संदेश यह कि बीजेपी में नेतृत्व का रास्ता उम्र या वंश नहीं, बल्कि मेहनत, ऊर्जा और संगठनात्मक क्षमता से तय होता है। महज 45 वर्ष की उम्र में नितिन नबीन को यह जिम्मेदारी देकर पार्टी ने यह साबित कर दिया है कि बीजेपी भविष्य की राजनीति को ध्यान में रखते हुए युवा नेतृत्व तैयार करती है। वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस की कमान 83 वर्ष के मल्लिकार्जुन खड़गे के बुजुर्ग कंधों पर है। बीजेपी में नितिन नबीन को अध्यक्ष बनाने का फैसला एक नियुक्ति नहीं बल्कि बीजेपी में पीढ़ीगत बदलाव की श्रृंखला का प्रतीक भी है। 1980 में स्थापना के बाद पहले अटल बिहारी वाजपेयी, लाल कृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी और कुशाभाऊ ठाकरे जैसे नेताओं के नेतृत्व में पार्टी ने अपनी वैचारिक और सांगठनिक नींव मजबूत की। उनके बाद नरेंद्र मोदी, राजनाथ सिंह, वैंकया नायडू, अरुण जेटली, सुषमा स्वराज, नितिन गडकरी, जेपी नड्डा, अमित शाह जैसी दूसरी पीढ़ी ने धर्मेंद्र प्रधान, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, योगी आदित्यनाथ, प्रह्लाद जोशी और अनुराग ठाकुर जैसी तीसरी पीढ़ी के साथ मिलकर पार्टी में संगठनात्मक विस्तार कर सत्ता तक पहुंचाया। अब चौथी पीढ़ी के रूप में युवा नितिन नबीन की ताजपोशी के साथ बीजेपी ने औपचारिक रूप से नेतृत्व की कमान सौंप दी है नितिन नबीन बीजेपी के सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष होंगे। इससे पहले यह रिकॉर्ड अमित शाह के नाम था, जिन्होंने 49 वर्ष की उम्र में पार्टी की कमान संभाली थी। उनसे पहले नितिन गडकरी 52 वर्ष की उम्र में अध्यक्ष बने थे। ऐतिहासिक दृष्टि से देखें तो अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी भारतीय जनसंघ के दौर में कम उम्र में अध्यक्ष बने थे। इस फैसले के जरिए बीजेपी ने युवाओं को सीधा संदेश दिया है कि पार्टी में उम्र बाधा नहीं है। बल्कि सामाजिक दृष्टि देखें तो नितिन नबीन कायस्थ समुदाय से आते हैं, जिनकी संख्या चुनावी राजनीति में निर्णायक नहीं मानी जाती। इसके बावजूद उन्हें पार्टी का शीर्ष पद सौंपना यह दर्शाता है कि बीजेपी नेतृत्व चयन में जातिगत गणित से ऊपर उठकर संगठनात्मक क्षमता और राजनीतिक समझ को प्राथमिकता दे रही है। संगठन में काम करने वाला, जमीन से जुड़ा और चुनावी चुनौतियों को समझने वाला कार्यकर्ता शीर्ष तक पहुंच सकता है। नितिन नबीन का चयन क्षेत्रीय संतुलन के लिहाज से भी बेहद अहम है। वह बिहार से आते हैं और पूर्वी भारत से बीजेपी के पहले राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। मतलब साफ है कि पार्टी का फोकस केवल हिंदी पट्टी या पश्चिमी भारत तक सीमित नहीं है। बिहार, बंगाल, ओडिशा, असम और उत्तर-पूर्व जैसे राज्यों में बीजेपी अपनी पकड़ मजबूत करना चाहती है और नितिन नबीन को नेतृत्व सौंप कर पार्टी इस रणनीति को मजबूती प्रदान करना चाहती है। पीएम मोदी ने लाल किले की प्राचीर से देश को संबोधित करते हुए एक लाख नए युवाओं को देश की राजनीति में लाने का वादा किया था। दूसरी तरफ आरएसएस के सरसंघचालक मोहन भागवत समेत संघ पदाधिकारों ने कई बार सार्वजनिक मंचों से युवाओं को नेतृत्व देने की बात कही। नितिन नबीन को पार्टी अध्यक्ष बनाना इसी बात का संकेत है। भले ही नितिन नबीन का अध्यक्षीय कार्यकाल 3 साल का है जो जनवरी 2029 में पूरा होगा लेकिन इतना तो तय है कि 2029 का लोकसभा चुनाव उनके ही नेतृत्व में लड़ा जाएगा। उनसे पहले लोकसभा चुनाव को ध्यान में रखकर ही पार्टी ने अमित शाह और फिर जेपी नड्डा के अध्यक्ष कार्यकाल को विस्तार दिया था। यही वजह है कि उनकी टीम में युवाओं और अनुभवी नेताओं का संतुलन बनाने की बात कही जा रही है। पार्टी संगठन में महिलाओं को 33 प्रतिशत प्रतिनिधित्व देने का प्रावधान है और नई टीम में महिलाओं और युवा चेहरों को आगे लाने की तैयारी है।

अशोक भाटिया

जन सुराज का ...

डॉ घनश्याम बादल

सत्ता,संगठन, प्रबंधन और रणनीति की जीत

बिखराव, टकराव और संभ्रम का शिकार रहा विपक्ष

बीएमसी एवं महाराष्ट्र के स्थानीय नगर निकाय चुनाव में शिवसेना के उद्धव ठाकरे एवं राज ठाकरे के गुटों का साथ आना भी कोई चमत्कार नहीं कर पाया। शरद पवार और उनकी पार्टी और कोने में खिसक गए हैं जबकि अजीत पंवार सत्तारूढ़ संगठन में ज़रूर हैं लेकिन उनकी अहमियत बढ़ती दिखाई नहीं दे रही है। कुल मिलाकर इन चुनावों में एकनाथ शिंदे एवं देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति पर अपनी पकड़ को अच्छे से साबित किया है। सार रूप में यह भी कह सकते हैं कि भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना शिंदे गुट शहरी जनता की नब्ज पकड़ने में कामयाब रहे जबकि विपक्ष आपसी टकराव एवं रणनीतिक नाकामयाबी का शिकार होने से सत्ता की राजनीति से थोड़ा और दूर खिसक गया है। महाराष्ट्र के नगर निगम चुनावों में भारतीय जनता पार्टी और शिवसेना (एकनाथ शिंदे गुट) की जीत केवल सत्ता पक्ष की सफलता नहीं है, बल्कि यह उस राजनीतिक असंतुलन की घोषणा है, जिसमें विपक्ष अभी तक अपने लिए ठोस दिशा तय नहीं कर पाया है। आज जब महाराष्ट्र की राजनीति पहले से ही विभाजन, अविश्वास और पुनर्संरचना के दौर से गुजर रही है तब नगर निगम चुनावों ने इसे सतह पर ला दिया है और अब इसका असर केवल सत्ता पक्ष की रणनीति तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि विपक्ष की प्रतिक्रिया और उसकी क्षमता की भी निर्णायक परीक्षा होगी। इन चुनावों की परिस्थितियाँ शुरू से सत्ता पक्ष के अनुकूल थीं। राज्य सरकार, प्रशासनिक तंत्र और शहरी विकास की चाबी भाजपा-शिवसेना शिंदे गठबंधन के हाथों में थी। नगर निगम जैसे चुनावों में मतदाता देखता है कि उसके रोज़मर्रा के काम कौन कर सकता है । ऐसे में सत्तारूढ़ गठबंधन का उम्मीदवार स्वतः ही लाभ की स्थिति में आ जाता है। भाजपा की संगठित चुनावी मशीनरी और शिंदे गुट की स्थानीय नेटवर्क-आधारित राजनीति ने इस लाभ को और ठोस बना दिया जिसके सामने विपक्ष न केवल कमजोर दिखा बल्कि आत्मविश्वास की कमी से भी जूझता नज़र आया। इस पूरे परिदृश्य का सबसे दिलचस्प और भविष्य के लिए

निर्णायक पहलू विपक्ष की प्रतिक्रिया उलझी हुई प्रतिक्रियाएँ हैं। चुनाव परिणाम आने के बाद विपक्ष के स्वर समान नहीं रहे। कहीं इसे "ईवीएम और सत्ता के दुरुपयोग" का परिणाम बताया गया, कहीं "स्थानीय चुनावों का असर विधानसभा पर नहीं पड़ता" कहकर खुद को दिलासा दी और कहीं भीतर ही भीतर आत्ममंथन की बातें हुईं। यह विरोधाभास अपने आप में विपक्ष की सबसे रणनीतिक कमजोरी को उजागर करता है स्पष्टतः राजनीतिक दृष्टि का अभाव भी कहा जा सकता है। उद्धव ठाकरे गुट की प्रतिक्रिया भावनात्मक रही। उन्होंने इसे नैतिक संघर्ष की लड़ाई बताते हुए कहा कि सत्ता के बल पर चुनाव जीते गए हैं। यह प्रतिक्रिया उनके कोर समर्थकों को भावनात्मक संबल तो देती है, लेकिन राजनीतिक रूप से यह सीमित प्रभाव वाली है। नगर निगम चुनावों में बार-बार "गद्दारी" का नैरेटिव दोहराना मतदाता को नहीं जोड़ पाया, जो अपने वार्ड की समस्याओं से जूझ रहा है। यदि यही रुख विधानसभा चुनाव तक जारी रहा, तो यह भावनात्मक संतोष तो देगा, लेकिन संगठनात्मक क्षरण को नहीं रोक पाएगा। कांग्रेस की प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत रक्षात्मक रही। पार्टी ने परोक्ष रूप से स्वीकार किया कि शहरी महाराष्ट्र में उसकी पकड़ कमजोर है, लेकिन साथ ही यह तर्क भी दिया कि विधानसभा चुनाव अलग मुद्दों पर लड़े जाते हैं। यह तर्क ऐतिहासिक रूप से हमेशा सही नहीं रहा है। महाराष्ट्र में नगर निगम चुनाव अक्सर विधानसभा चुनाव का मनोवैज्ञानिक आधार तैयार करते हैं। कांग्रेस की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि उसकी प्रतिक्रिया में न तो आक्रामकता दिखती है और न ही कोई नई राजनीतिक कल्पना और यदि यही हाल जारी रहता है तो फिर आने वाला समय भी महाराष्ट्र में कांग्रेस का नहीं है । शरद पवार गुट की प्रतिक्रिया सबसे अधिक रणनीतिक रही तो सबसे अधिक अनिश्चित भी । भीतरखाने यह स्वीकार किया गया कि शहरी क्षेत्रों में पार्टी की पकड़ ढीली पड़ी है लेकिन सार्वजनिक रूप से इसे अस्थायी झटका बताया गया। इस प्रतिक्रिया का प्रभाव यह होगा कि पार्टी में भविष्य को लेकर असमंजस बना रहेगा। यदि स्पष्ट नेतृत्व और दिशा नहीं दी गई तो विधानसभा चुनाव से पहले और टूट-फूट की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। राज ठाकरे की चुप्पी भी अपने आप में एक प्रतिक्रिया है। मनसे के लिए यह चुनाव एक चेतावनी की तरह है। मराठी अस्मिता का शहरी वोट अब पूरी तरह से उनकी बपौती नहीं रहा। उनकी अगली प्रतिक्रिया चाहे वह भाजपा के साथ समीकरण हो या स्वतंत्र आक्रामक राजनीति विधानसभा चुनाव की दिशा को प्रभावित कर सकती है। लेकिन अगर यह निर्णय देर से लिया गया, तो प्रभाव सीमित रहेगा। विपक्ष की इन बिखरी प्रतिक्रियाओं का सीधा लाभ सत्ता पक्ष को मिलेगा। भाजपा- शिंदे गठबंधन इस स्थिति को यह कहकर भुनाएगा कि विपक्ष न केवल सत्ता चलाने में अक्षम है बल्कि हार को स्वीकार कर उससे सीख लेने में भी असमर्थ है। विधानसभा चुनाव के प्रचार में यही "स्थिरता बनाम अराजकता" के नॉरेटिव की लड़ाई बन जाएगी। फिर भी यह मान लेना कि विपक्ष पूरी तरह अप्रासंगिक हो चुका है, एक सरलीकरण होगा। नगर निगम चुनावों के बाद विपक्ष के पास अब भी एक अवसर है लेकिन वह अवसर केवल प्रतिक्रिया से नहीं, बल्कि पुनर्गठन से आएगा। यदि विपक्ष इस हार को आत्ममंथन का आधार बनाता है, साझा रणनीति बनाता है और शहरी व ग्रामीण मुद्दों पर एक न्यूनतम साझा कार्यक्रम पेश करता है।

निश्चित रूप ...

वीरेन्द्र सिंह परिहार

अब आया ऊँट पहाड़ के नीचे

08 जनवरी को बंगाल की राजधानी कोलकाता में ईडी के छापे को लेकर वहाँ के मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा जो कुछ भी किया गया उसे अप्रत्याशित ही नहीं, अभूतपूर्व भी कहा जा सकता है। गत दिनों ईडी ने आई पैक कम्पनी पर छापा डाला। छापा इस आधार पर डाला गया कि ममता बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस के चुनावी प्रबन्धन करने वाली आई पैक कम्पनी के द्वारा गोवा आपरेशन के लिये करोड़ो रूपयों की फंडिग की गई। बताया जाता है कि करीब 20 करोड़ की भारी-भरकम राशि का छह अलग-अलग स्तरों पर घुमाया गया ताकि पुलिस या जाँच एजेंसियों को इसकी कानो-कान खबर नहीं लगे। ईडी के अनुसार अनूप माजी के नेतृत्व वाले एक सिंडीकेट ने ईसीएल की खदानों से अवैध रूप से कोयला निकाला। यह चोरी का कोयला बंगाल और झारखण्ड की फैक्टरियों में नगद में बेंचा गया जिससे इस सिंडिकेट ने 2.742 करोड़ रूपये की अवैध कमाई किया। इस काली कमाई का एक हिस्सा राजनीतिक फंडिग और चुनावी मैनेजमेंट में इस्तेमाल हुआ जिसके चलते 08 जनवरी को ईडी ने दिल्ली और कोलकाता 10 अलग-अलग स्थानों में ताबड़तोड़ छापेमारी की। जाँच की आँच आई पैक के निर्देशक प्रतीक जैन तक पहुँची क्योंकि जब यह लेन-देन हुआ तो प्रतीक जैन ही गोवा में चुनावी कन्सल्टेंसी का काम देख रहे थे। फलतः कोलकाता में उनके लाउडान स्थित घर की तलाशी ली गई पर जब यह कार्यवाही चल रही थी तो ममता बनर्जी राज्य के डीजीपी, कोलकाता के पुलिस कमिश्नर और सैकड़ो पुलिस कर्मियों के साथ पहुँच गई और ईडी अधिकारियों को धमकाया, गलत तरीके से रोका। लैपटाप, मोबाइल फोन और दस्तावेजों समेत ईडी द्वारा जब्त किये सामानों को छुड़ाकर अपने साथ ले गई। ईडी की कार्यवाही के दौरान वह हरे रंग की फाईल ले जाती दिखी। इतना ही नहीं, ईडी को सबक सिखाने के लिये उसके विरूद्ध चार एफआईआर भी

दर्ज करवा दिया। इस सम्बन्ध में उन्होंने देश के गृह मंत्री अमित शाह पर आरोप लगाये कि उनके द्वारा बदले की भावना से यह कार्यवाही कराई जा रही है। उन्हें यह भी पता नहीं कि ईडी गृह मंत्रालय के अधीन नहीं वरन वित्त मंत्रालय के अधीन काम करती है। निश्चित रूप से यदि कुछ गलत था तो वह न्यायालय जा सकती थी पर इस तरह से पुलिस को लेकर सड़क पर जाँच रोकना यह तो अभूतपूर्व है। अगर यह उदाहरण बना तो कोई भी ताकतवर व्यक्ति बदले की भावना का आरोप लगाकर कोई तलाशी और जाँच नहीं होने देगा पर असलियत यह कि जैसा कि गोंडा से भाजपा सांसद जनार्दन दुबे कहते हैं, ममता ईडी से नहीं, सीडी से परेशान हैं। लोगों को 3 फरवरी 2019 की वह घटना भी शायद याददाश्त में हो जब कुछ इसी तर्ज पर सीबीई की टीम सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर कोलकाता के तत्कालीन पुलिस कमिश्नर राजीव कुमार से शारदा वैली और दूसरे स्कैमों को लेकर पूँछताछ करने गई थी। तब ममता के इशारे पर सीबीआई की टीम को कोलकाता पुलिस द्वारा हिरासत में ले लिया गया था। हद तो यह थी कि ममता बनर्जी स्वतः धरने पर बैठ गई थीं। अब ममता बनर्जी और उनके पुलिस के कृत्यों को लेकर ईडी सुप्रीम कोर्ट पहुँच गई है। पहले वह कोलकाता हाई कोर्ट गई पर वहाँ कोर्ट रूम में तृणमूल के लोगो द्वारा ऐसी अव्यवस्था उत्पन्न की गई कि सुनवाई करने वाले जज को कहना पड़ा कि ऐसी स्थिति में सुनवाई संभव नहीं है।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

राजेश श्रीवास्तव

हर दल ब्राह्मणों को अपनी ओर खींच रहा, फिर भी ब्राह्मण हताश क्यों

बीते दिनों बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने 70वें जन्मदिन पर ब्राह्मणों को खास संदेश देकर यूपी की राजनीति में जहां अपनी सोशल इंजीनियरिंग को हवा दी, वहीं ब्राह्मण समाज की उपयोगिता पर एक नया विमर्श खड़ा कर दिया जिसके चलते दल भारतीय जनता पार्टी असमंजस में आ गयी है क्योंकि ब्राह्मण भाजपा का सबसे बड़ा वोट बैंक हैं। बसपा सुप्रीमो ने भाजपा के ब्राह्मण विधायकों की बैठक पर बड़ा बयान दिया। कहा- ब्राह्मण समाज को किसी का बाटी चोखा नहीं चाहिए। उन्हें सिर्फ सम्मान चाहिए। हमारी सरकार बनने पर ब्राह्मणों की चाहत पूरी की जाएगी। ब्राह्मण समाज को भी कांग्रेस, बीजेपी या सपा के बहकावे में नहीं आना चाहिए। उन्होंने बसपा की चुनावी रणनीति को लेकर भी बड़ा बयान दिया। कहा- बसपा पूरे देश में हर चुनाव अकेले ही लड़ेगी। यूपी में होने वाले चुनाव में बसपा अकेले ही उतरेगी। इसे लेकर किसी को कोई गलतफहमी नहीं होनी चाहिए। दरअसल, यूं ही अचानक मायावती ने ब्राह्मणों को लेकर संदेश नहीं दिया। बीते दिनों आयोजित विधानसभा सत्र के दौरान भाजपा के ब्राह्मण विधायकों ने बैठक की थी। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने नाराजगी जताई थी। उन्होंने कहा था- ये पार्टी के अनुशासन के खिलाफ हैं। एक-एक से बात करके समझा दिया है। अब एक्शन लूंगा। अखिलेश यादव ने भी भाजपा की चुटकी ली थी। उन्होंने नए साल पर दी गई बाटी चोखा-पार्टी में कहा था कि भाजपा विधायक बैठे-बैठे लिट्टी चोखा खा रहे थे। अगर वो सरकार के खिलाफ खड़े हो गए, तो क्या होगा? अब भाजपा बाटी-चोखा की भी जांच कर रही है। 23 दिसंबर को लखनऊ में ब्राह्मण

विधायकों ने बैठक की थी। इसमें सपा के बागी और भाजपा के विधायक शामिल थे। यह बैठक विधानमंडल के शीतकालीन सत्र के बीच कुशीनगर के भाजपा विधायक पीएन पाठक की पत्नी के जन्मदिन के नाम पर उनके लखनऊ आवास पर हुई थी। इसमें पूर्वांचल और बुंदेलखंड के 45 से 50 ब्राह्मण विधायक शामिल हुए। विधायकों को लिट्टी-चोखा और मंगलवार व्रत का फलाहार परोसा गया। खास बात है कि बैठक में अन्य पार्टियों के भी ब्राह्मण विधायक पहुंचे थे। मीटिग के बाद सरकार में हलचल मच गई। सूत्रों के मुताबिक, सीएम के ओएसडी सरवन बघेल ने बीजेपी विधायक पीएन पाठक को कॉल कर मामले की जानकारी ली। पाठक ने उन्हें बताया कि कोई राजनीतिक बैठक नहीं थी। मैंने सहभोज रखा था। बताया गया कि आरएसएस और भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारी भी इस मामले को शांत कराने में जुट गए थे। सूत्रों का कहना है कि बैठक में कहा गया कि अलग-अलग जाति के खांचों में कई जातियां तो पावरफुल हो गईं, लेकिन ब्राह्मण पिछड़ गए हैं। जाति की राजनीति में ब्राह्मणों की आवाज दबती जा रही है। उन्हें अनसुना कर दिया गया। ब्राह्मणों के मुद्दों को उठाने जोर-शोर से उठाने के लिए यह जुटान हुई है। विधायकों का मानना है कि उनके समाज से डिप्टी सीएम तो हैं, लेकिन उनको ताकत नहीं दी गई। मालुम हो कि ब्राह्मण वोट बैंक यूपी के लगभग हर जिले में है। हालांकि, पूर्वांचल यानी फैजाबाद, वाराणसी, गोरखपुर, गाजीपुर, गोंडा, बस्ती, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, जौनपुर जैसे जिले ब्राह्मण वोट बैंक का गढ़ माने जाते हैं। मध्य यूपी यानी कानपुर, रायबरेली, फर्रुखाबाद, कन्नौज, उन्नाव, लखनऊ, सीतापुर, बाराबंकी, हरदोई, इलाहाबाद, सुल्तानपुर, प्रतापगढ़, अमेठी आदि जिले भी इस वोट बैंक का गढ़ हैं। इसी तरह बुंदेलखंड जोन यानी हमीरपुर, हरदोई, जालौन, झांसी, चित्रकूट, ललितपुर, बांदा आदि इलाके ब्राह्मण वोटर्स का केंद्र हैं। राजनीति के जानकारों का कहना है कि ब्राह्मण वोटर्स की लगभग 30 जिलों में महत्वपूर्ण भूमिका है। अगर हम एक जिले की औसतन पांच विधानसभा मान लें तो इनकी संख्या 150 तक पहुंच जाती है। भाजपा को 2022 के यूपी विधानसभा चुनाव में 89% ब्राह्मणों ने वोट दिए थे। जानकार कहते हैं कि ब्राह्मण वोकल होता है और अपने आसपास के दस वोटरों को प्रभावित कर सकता है। इसलिए सभी पार्टियां ब्राह्मणों के ताकत को समझती हैं। भले ही ब्राह्मणों की संख्या यूपी में 11-12 प्रतिशत हो, लेकिन दमदारी से अपनी बात रखने की वजह से वह जहां भी रहे हैं, प्रभावशाली रहते हैं। यही वजह है कि आजादी के बाद से 1989 तक यूपी को छह ब्राह्मण मुख्यमंत्री मिले लेकिन यह सभी मुख्यमंत्री कांग्रेस कार्यकाल में हुए। कांग्रेस अक्सर यह मुद्दा भी उठाती है कि ब्राह्मणों को सम्मान उसी ने दिया। 2007 में ब्राह्मण दलित गठजोड़ से ही बसपा पूर्ण बहुमत में सत्ता में आ पाई थी। उस वक्त बीएसपी प्रमुख मायावती ने ब्राह्मण और दलित की सोशल इंजीनियरिग का फॉर्मूला बनाया था। 80 से 90 फीसदी तक ब्राह्मण बसपा के साथ जुड़ गए थे। दलितों की पार्टी कही जाने वाली बसपा में सतीश चंद्र मिश्रा को दूसरे नंबर का दर्ज़ा दे दिया गया। आरोप लगते हैं कि 2009 में बीएसपी सरकार में तमाम लोगों पर एससी-एसटी के मुकदमे दर्ज हुए, 2017 में उन्होंने बीजेपी का साथ दिया और उनकी पूर्ण बहुमत की सरकार बनाने में मदद की। विधानसभा में बीजेपी के 46 ब्राह्मण विधायक जीतकर पहुंचे। लिहाजा मायावती अब ब्राह्मणों को साधकर फिर से यूपी में सत्ता का ख्वाब बुन रही हैं । वही मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के ब्राह्मण विरोधी होने का शिगूफा भी अक्सर यूपी में उठता रहता है चाहे खुशी दुबे का प्रकरण या विकास दुबे। कई मामलों को लेकर मुख्यमंत्री को कठघरें में खड़ा किया जाता है। इसी के चलते जब ब्राह्मणों ने बैठक की तो भाजपा हाईकमान अलर्ट हो गया क्योंकि वह इस वर्ग को नाराज नहीं करना चाहता लेकिन ब्राह्मण इन दिनों निराश महसूस कर रहा है।

अगर बांग्लादेश ने इनकार किया तो रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका संभव

टी-20 वर्ल्डकप-बांग्लादेश भारत में खेलेगा या नहीं, 21 को फैसला

नई दिल्ली, एजेंसी

ICC ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) को 21 जनवरी तक यह स्पष्ट करने को कहा है कि वह 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में हिस्सा लेगा या नहीं और क्या उसकी टीम भारत आकर मैच खेलेगी। ईएसपीएन क्रिक इन्फो के मुताबिक ICC ने शनिवार (17 जनवरी) को ढाका में हुई बैठक में यह समय-सीमा बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) को बता दी है। यह एक हफ्ते में ICC और BCB के बीच दूसरी बैठक थी। इसमें BCB ने साफ किया कि वह टी-20 वर्ल्ड कप खेलना चाहता है, लेकिन भारत के बाहर। BCB का कहना है कि भारत में खेलने को लेकर टीम की सुरक्षा को लेकर चिंता है। BCB ने सुझाव दिया कि टूर्नामेंट के को-होस्ट श्रीलंका में उनके मैच कराए जाएं। हालांकि, ICC अपने फैसले पर अड़ा हुआ है। ICC ने साफ कहा है कि टूर्नामेंट का शेड्यूल नहीं बदला जाएगा और बांग्लादेश को ग्रुप C में ही खेलना होगा।

टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होगी। बांग्लादेश को लीग के सारे मुकाबले भारत में कोलकाता और मुंबई में खेलना है।

ग्रुप बदलने की मांग भी खारिज

17 जनवरी की बैठक में BCB ने ग्रुप बदलने की मांग रखी थी, जिसे ICC ने इनकार कर दिया था। ICC ने BCB को यह भरोसा भी दिलाया कि बांग्लादेश टीम को कोई खास सुरक्षा खतरा नहीं है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने ICC से कहा था कि उसे ग्रुप-C की जगह दूसरे ग्रुप-B में शामिल किया जाए। बोर्ड का तर्क था कि ऐसा होने पर बांग्लादेश को अपने सभी मुकाबले श्रीलंका में खेलने होंगे, इससे यात्रा और सुरक्षा से जुड़ी दिक्कतें कम होंगी। मौजूदा रैंकिंग के आधार पर स्कॉटलैंड को मौका मिलने की संभावना सबसे ज्यादा है।

अगर बांग्लादेश ने इनकार किया तो विकल्प तैयार

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक अब ICC अंतिम फैसला BCB पर छोड़ रही है। अगर BCB टीम को भारत भेजने से इनकार करता है तो ICC बांग्लादेश की जगह किसी और टीम को शामिल कर सकती है। मौजूदा शेड्यूल के अनुसार आयरलैंड को अपने ग्रुप-बी मुकाबले श्रीलंका, ऑस्ट्रेलिया और ओमान के खिलाफ कोलंबो में खेलने हैं, जबकि उनका आखिरी मैच कैंडी में जिम्बाब्वे से होगा। दूसरी ओर, बांग्लादेश को अपने मौजूदा ग्रुप-सी में वेस्टइंडीज, इटली और इंग्लैंड के खिलाफ कोलकाता में तीन मैच खेलने हैं, जबकि आखिरी ग्रुप मुकाबला मुंबई में नेपाल के खिलाफ तय है।

केकेआर ने मुस्तफिजुर को ₹9.2 में खरीदा था, फिर आईपीएल से करने पर विवाद

16 दिसंबर को IPL मिनी ऑक्शन में कोलकाता नाइट राइडर्स (KKR) ने बांग्लादेशी गेंदबाज मुस्तफिजुर रहमान को 9.20 करोड़ रुपए में खरीदा था। इसके बाद बांग्लादेश में हिंदुओं की हत्या के कारण भारत में मुस्तफिजुर का विरोध होने लगा। अब तक वहां 7 हिंदुओं की हत्या कर दी गई है। बाद में BCCI ने मुस्तफिजुर को IPL खेलने की अनुमति नहीं दी और 3 जनवरी को KKR ने उन्हें रिलीज कर दिया।

टी-20 वर्ल्ड कप में बांग्लादेश को ग्रुप-सी में रखा गया है। टीम 7 फरवरी को वेस्टइंडीज, 9 फरवरी को इटली और 14 फरवरी को इंग्लैंड से भिड़ने वाली हैं। तीनों मैच कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम में खेले जाने हैं। वहीं टीम का आखिरी ग्रुप स्टेज मैच 17 फरवरी को मुंबई में नेपाल से होना है। इसके बाद खिलाड़ियों की सुरक्षा का हवाला देकर 7 फरवरी से होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप में वेन्यू बदलने की मांग भी की। इससे बौखलाई बांग्लादेश सरकार ने अपने यहां आईपीएल मैचों के प्रसारण पर रोक लगा दी।

विवादों के बीच सेनेगल बना अफ्रीका कप 2025 चैंपियन

सेनेगल टीम पेनल्टी विवाद पर मैदान छोड़कर गई, 14 मिनट खेल रुका रहा

नई दिल्ली, एजेंसी

अफ्रीका कप ऑफ नेशंस 2025 का फाइनल मैच फुटबॉल से ज्यादा विवाद और हंगामे के कारण चर्चा में रहा। मोरक्को और सेनेगल के बीच रविवार को मोरक्को के प्रिंस मौले अब्देल्लाह स्टेडियम में खिताबी मुकाबला खेला गया। इसमें एक विवादित पेनल्टी के बाद सेनेगल की पूरी टीम गुस्से में मैदान छोड़कर बाहर चली गई। मैच के अंतिम समय में रेफरी के मोरक्को को पेनल्टी दिए जाने से सेनेगल के खिलाड़ी भड़क गए और खेल रोक दिया गया। करीब 14 मिनट तक मैदान पर अफरा-तफरी का माहौल रहा और मैच रुका रहा। बाद में कप्तान सादियो माने के समझाने पर सेनेगल की टीम दोबारा मैदान पर लौटी। सेनेगल की टीम को मैदान पर लौटने के बाद खेल शुरू हुआ। पेनल्टी पर मोरक्को के खिलाड़ी ब्राहिम डियाज गोल नहीं कर सके और सेनेगल के गोलकीपर ने शानदार बचाव किया। इसके बाद मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया, जहां सेनेगल के लिए पाप गुए ने 94वें मिनट में निर्णायक गोल दागकर मुकाबला 1-0 से जीत लिया। इस जीत के साथ सेनेगल ने अफ्रीका कप का दूसरा खिताब अपने नाम किया। सोशल मीडिया पर भी इस फाइनल को अफ्रीका कप का सबसे विवादित मुकाबला बताया जा रहा है। 2015 अफ्रीका कप में मेजबान इक्वेटोरियल गिनी पर रेफरी फैसलों को प्रभावित करने के आरोप लगे थे, जिससे घाना के खिलाड़ी और अधिकारी खुले तौर पर नाराज दिखे। 2022 अफ्रीका कप में ट्यूनीशिया और माली के बीच खेले गए मैच में रेफरी ने समय से पहले मैच खत्म कर दिया था।

फास्ट न्यूज

मनोज तिवारी के घर में चोरी करने वाला आरोपी गिरफ्तार

मुंबई। भोजपुरी स्टार और सांसद मनोज तिवारी के घर में चोरी करने वाले शख्स की गिरफ्तारी हो चुकी है। पिछले 2 सालों में मनोज तिवारी के घर में चोरी की गई वारदातें हुईं। जिसमें अलग-अलग समय में कुल 5.40 लाख चोरी किए गए थे। अब गुरुवार यानी 15 जनवरी को आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है।

सेंसेक्स दिन के निचले स्तर से 450 अंक रिकवर

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार में आज भारी उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। सुबह की गिरावट के बाद दोपहर के कारोबार में बाजार निचले स्तरों से रिकवर होता नजर आया। सेंसेक्स अपने दिन के निचले स्तर से 450 अंक और निफ्टी 100 अंक से ज्यादा रिकवर हुआ। ऑटो, बैंकिंग और आईटी शेयरों में आई खरीदारी ने बाजार को सहारा दिया। अभी सेंसेक्स 200 अंक गिरकर 83,350 और निफ्टी 80 अंक की गिरावट के साथ 25,600 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। दिन के कारोबार में सेंसेक्स ने 82,898 और निफ्टी ने 25,494 का निचला स्तर छुआ था। कारोबारी सत्र की शुरुआत कमजोर रही थी। वैश्विक बाजारों से मिले-जुले संकेतों और विदेशी फंडों की लगातार निकासी के कारण निवेशकों में डर का माहौल था। हालांकि, जैसे ही निफ्टी अपने अहम सपोर्ट लेवल के करीब पहुंचा, वहां से वैल्यू बाइंग (सस्ते शेयरों की खरीदारी) शुरू हो गई।

शाहरुख की गाड़ी का लड़की ने पीछा किया

मुंबई। शाहरुख खान के प्रति फैंस की दीवानगी किसी से छिपी नहीं है। किंग खान की एक झलक पाने के लिए उनके चाहने वाले हर हद पार करने को तैयार रहते हैं। जिसमें दो फैंस मुंबई की सड़कों पर शाहरुख खान की कार का पीछा करते नजर आ रहे हैं। सामने आए वीडियो में अभिनव सक्सेना नाम का का फैन अपनी फीमेल फ्रेंड नताश जगेतिया के साथ मुंबई की सड़कों पर शाहरुख खान की कार का पीछा करते हुए दिखाई दे रहा है।

मेरे खिलाफ साजिश हो रही है : गोविंदा

सुनीता के बयानों के बीच बोले- घुट जाऊं ऐसी स्थिति न बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

बीते कुछ समय से गोविंदा की पत्नी सुनीता उनके खिलाफ बयान दे रही हैं। हाल ही में सुनीता ने गोविंदा के अफेयर पर कहा कि 63 की उम्र में ये सब शोभा नहीं देता। अब गोविंदा ने पहली बार इस पर रिएक्शन देते हुए कहा है कि उनके खिलाफ एक साजिश हो रही है, जिसमें उनके परिवार को इस्तेमाल किया जा रहा है। मेरे एक मित्र ने कहा था गोविंद (गोविंदा) तुम्हारे साथ थोड़ी सी साजिश चल रही है, आज नहीं सालों से चल रही है। उससे तुम कैसे बाहर निकलोगे, मैंने कहा देखिए एक साल, दो साल, 4-5 साल, 9-10 साल योग होते हैं, पूजा प्रार्थना किया करते हैं, यज्ञ करवाते हैं। पर जब 24-15 साल से वार्तालाप आगे निकलता है तो वो योग नहीं प्रयोग होता है। आगे गोविंदा ने कहा, 'किसी की सोची समझी साजिश में घर परिवार आ जाता है, डर जाते हैं लोग, वो सभी गोविंदा नहीं हैं। फिर थोड़ा सा अलगाव नजर आ जाता है। पर मुझे ऐसा लगता है कि ऐसे तो वो (सुनीता) बहुत जहीन हैं, पढ़ी-लिखी हैं वो, भाषा में गलत नहीं होता कुछ।' 'वो कहा करती हैं कि जो आपको चाहिए वो मिलता नहीं है, जो आपको मिलता है वो आपको चाहिए नहीं। घर कैसे चलेगा। तो लेडीज की सोच अलग होती है। परंतु वो कभी ये नहीं सोच सकती कि एक बहुत बड़ी साजिश के तहत आपको ओपनिंग बैट्समैन के रूप में मैदान में उतार दिया गया है। फिर उसके बाद समाज में बदनाम कर देना। ऐसी चीजें थोप देना।' आगे गोविंदा ने कहा, 'शुरुआत में एक आदमी ने मुझ पर आरोप लगाने चाहे, बाद में वो एक्सपोज हो गया। फिल्म लाइन में जिस समय आपकी पॉपुलैरिटी हद से बाहर निकलती है, तो कई विचलितताओं के साथ बहुत से लोग आगे आते हैं।

गोविंदा ने आगे कहा- 'पिछले कुछ दिनों से मैं देख रहा हूं, कभी-कभी हम मुंह नहीं खोलते, तो कमजोर नजर आते हैं या ऐसा लगता है कि ये दुष्ट होंगे। आज मैं उत्तर दे रहा हूं।

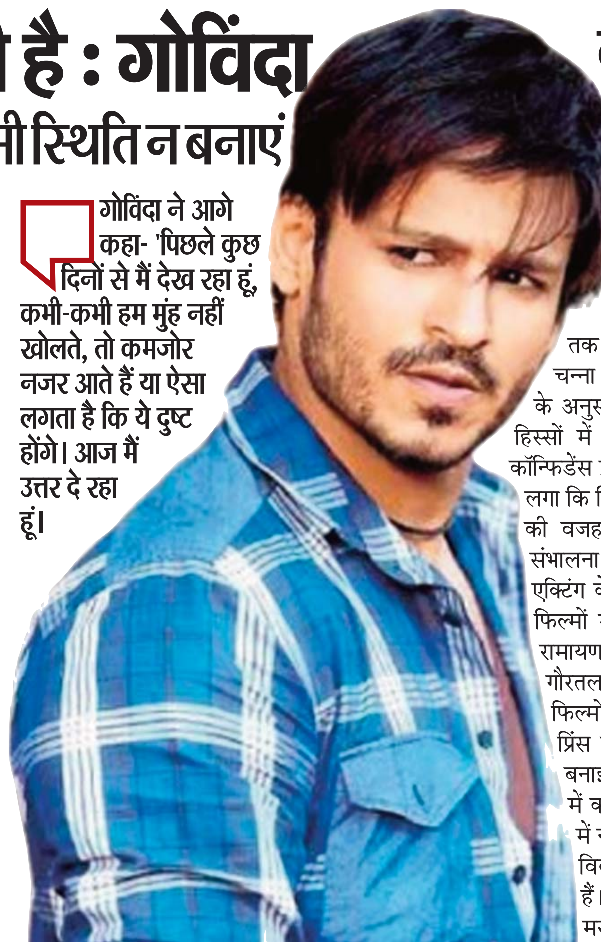

बताया कि एक्टर किस वजह से लंबे समय तक इंडस्ट्री से दूर रहे

विवेक ओबेरॉय के ट्रेनर ने उनके एक्सीडेंट का किया खुलासा

लखनऊ। बॉलीवुड एक्टर विवेक ओबेरॉय लंबे समय तक फिल्मों से दूर रहे, लेकिन अब उनके फिटनेस कोच विनोद चन्ना ने इस ब्रेक के पीछे की वजह का खुलासा किया है। विनोद के अनुसार, एक गंभीर एक्सीडेंट के बाद विवेक के शरीर के कई हिस्सों में चोटें लगी थीं और लगातार दर्द की वजह से उनका कॉन्फिडेंस प्रभावित हुआ था। फिटनेस कोच के अनुसार, कई लोगों को लगा कि विवेक डिप्रेशन में हैं, लेकिन असल में उनकी परेशानी चोटों की वजह से थी। उन्होंने कहा, ऐसे समय में मानसिक स्थिति संभालना और पॉजिटिव रहना बेहद जरूरी है। आज विवेक ओबेरॉय एक्टिंग के साथ-साथ बिजनेस में भी सक्रिय हैं। उनकी आने वाली फिल्मों में मस्ती 4, प्रभास की स्पिरिट और रणबीर कपूर स्टारर रामायण शामिल हैं, जिनमें वह महत्वपूर्ण भूमिकाओं में दिखाई देंगे। गौरतलब है कि करियर की शुरुआत में विवेक ने एक के बाद कई फिल्मों में काम किया। कंपनी, साथिया, मस्ती, काल, दम और प्रिंस जैसी फिल्मों से कम समय में ही उन्होंने अपनी पहचान बनाई, लेकिन पिछले कुछ सालों में वो पहले मुकाबले फिल्मों में कम ही नजर आए। पिछले 10 सालों में वे सिर्फ 12 फिल्मों में नजर आए, जिनमें 6 हिंदी और 6 साउथ की फिल्में हैं। आज विवेक ओबेरॉय एक्टिंग के साथ-साथ बिजनेस में भी एक्टिव हैं। एक्टर आने वाली फिल्में की बात करें तो हाल ही में वह मस्ती 4 में दिखे थे।

चोटों और दर्द ने बढ़ाई मुश्किलें

विनोद चन्ना ने हिंदी रश से बातचीत में कहा कि जब विवेक उनके पास आए, तब उनका वजन बढ़ा हुआ था और शरीर में कई जगह चोटें थीं। चोटों और लगातार दर्द की वजह से उनका मूड चिड़चिड़ा रहने लगा था। ऐसे समय में पॉजिटिव रहना और धीरे-धीरे एक्सरसाइज शुरू करना बहुत जरूरी था, उन्होंने कहा।

धीरे-धीरे शुरू हुई फिटनेस ट्रेनिंग

विनोद ने बताया कि शुरुआती वर्कआउट हल्की एक्सरसाइज से की गई ताकि चोट और ज्यादा न बढ़े। विवेक के टखने और घुटने में गंभीर चोट थी, जिसके कारण वह लंबे समय तक इंडस्ट्री से दूर रहे।

विनोद ने कहा, विवेक बहुत टैलेंटेड हैं और एक बेहतरीन बिजनेसमैन भी। उन्होंने मुश्किल समय में खुद को संभाला और फिर से आगे बढ़ने की कोशिश की। विवेक ने अपने करियर की शुरुआत में कंपनी, साथिया, मस्ती, काल, दम और प्रिंस जैसी फिल्मों से पहचान बनाई थी।

फ्रांस ने 15, जर्मनी ने 13 और ब्रिटेन ने 1 भेजा, इटली बोला- यह मजाक

अमेरिकी धमकी के बाद 7 देशों के सैनिक ग्रीनलैंड पहुंचे

नुउक, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की ग्रीनलैंड पर कब्जे की धमकियों के बाद यूरोपीय देश एकजुट हो गए हैं। कई NATO सदस्य देशों ने ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस नाम से एक संयुक्त सैन्य अभ्यास शुरू किया है। इसके लिए यूरोपीय देशों में फ्रांस ने 15 सैनिक ग्रीनलैंड भेजे हैं, जो 27वीं माउंटेन इन्फैंट्री ब्रिगेड से हैं। जर्मनी ने 13 सैनिकों की एक टीम भेजी है। नॉर्वे, नीदरलैंड और फिनलैंड ने दो-दो सैनिक तैनात किए हैं। ब्रिटेन ने एक सैन्य अधिकारी भेजा है। स्वीडन ने भी सैनिक भेजने की पुष्टि की है, हालांकि संख्या सार्वजनिक नहीं की गई है। कुल मिलाकर, डेनमार्क के मौजूदा सैनिकों के अलावा यूरोपीय देशों से लगभग 35-40 सैन्य कर्मी पहुंचे हैं। वहीं, इटली के रक्षा मंत्री गुइडो क्रोसेत्तो ने इस पूरे ऑपरेशन को मजाक जैसा बताया है। डेनमार्क की अगुवाई में चल रहा ऑपरेशन आर्कटिक एंड्योरेंस एक सैन्य अभ्यास है।

दूसरी तरफ यूरोपीय यूनियन ट्रम्प के लगाए गए टैरिफ का जवाब देने की तैयारी कर रहा है। ईयू अमेरिका पर ट्रेड पाबंदियां लगाने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। इसके लिए ईयू एक खास कानूनी हथियार के इस्तेमाल पर सोच रहा है, जिसे अनौपचारिक तौर पर 'ट्रेड बाजूका' कहा जाता है। इसका मकसद उन देशों के खिलाफ कड़ा कदम उठाना है, जो यूरोपीय देशों पर जबरदस्ती आर्थिक दबाव बनाने की कोशिश करते हैं।

जर्मनी के सैनिक ग्रीनलैंड के नुउक में डेनिश आर्कटिक कमांड भवन पहुंचे।

ग्रीनलैंड में बड़े पैमाने पर सैनिकों के तैनाती की संभावना

डेनमार्क पहले से ग्रीनलैंड में करीब 200 सैनिक तैनात किए हुए है। इसके अलावा 14 सदस्यीय सीरियस डॉग स्लेज पेट्रोल भी वहां मौजूद है, जो आर्कटिक इलाकों में गश्त करते हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा है कि आने वाले दिनों में इन्हें जमीन, हवा और समुद्र के जरिए और मजबूत किया जाएगा। यह संख्या छोटी है, लेकिन यह राजनीतिक संदेश देने के लिए है कि NATO एकजुट है।

पोलैंड, इटली ने मिशन से दूरी बनाई

NATO के कुछ बड़े सैन्य ताकत वाले देश इस मिशन से दूर रहे। पोलैंड, इटली और तुर्किए ने ग्रीनलैंड में सैनिक भेजने से इनकार कर दिया। पोलैंड के प्रधानमंत्री डोनाल्ड टस्क ने साफ कहा कि उनका देश सैनिक नहीं भेजेगा। दरअसल, पोलैंड की सबसे बड़ी चिंता रूस के साथ लगी उसकी पूर्वी सीमा है।

चांदी पहली बार ₹3 लाख के पार, 14 हजार बढ़ी

1 महीने में ₹2 लाख से ₹3 लाख हुई कीमत

2026 में ₹4 लाख तक जा सकते हैं दाम।

नई दिल्ली, एजेंसी

चांदी के दाम आज 19 जनवरी को MCX पर 3 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गए हैं। इसमें 14 हजार रुपए से ज्यादा की तेजी आई है। शुक्रवार को चांदी 2.87 लाख के करीब थी। MCX पर 15 दिसंबर 2025 के आसपास चांदी पहली बार 2 लाख रुपए पर पहुंची थी। यानी चांदी को 2 लाख से 3 लाख रुपए तक पहुंचने में सिर्फ 1 महीने का समय लगा। वहीं इसे 1 से 2 लाख तक पहुंचने में 9 महीने, जबकि 50 हजार से 1 लाख तक पहुंचने में 14 साल लगे थे। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलरी एसोसिएशन के अनुसार आज 24 कैरेट शुद्धता वाला सोना 540 रुपए बढ़कर 1,32,317 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इससे पहले ये 1,41,593 रुपए पर था। वहीं सोने ने 14 जनवरी को 1,42,152 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था। पिछले साल सोने की कीमत 57,033 रुपए (75%) बढ़ी है। 31 दिसंबर 2024 को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 76,162 रुपए का था, जो 31 दिसंबर 2025 को 1,33,195 रुपए हो गया। 2026 में चांदी ₹3.20 लाख प्रति किलो तक पहुंच सकती है। सोलर और EV डिमांड को देखते हुए हर गिरावट पर खरीदारी की सलाह है। यह सबसे सीधा तरीका है।

पुष्टि : 50 हजार बेघर, लोग बोले- 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते

चिली के जंगल में आग से 19 लोगों की मौत

सैंटियागो, एजेंसी

दक्षिण अमेरिकी देश चिली के जंगल में लगी आग की चपेट में आकर अब तक 19 लोगों की मौत हो चुकी है। अधिकारियों ने रविवार को इसकी पुष्टि की। आग लगने के कारणों का अब तक पता नहीं चला है। आग की वजह से अब तक 50 हजार से ज्यादा लोगों को बेघर होना पड़ा है। कई कस्बों में घर, गाड़ियां और पूरी बस्तियां जलकर खाक हो गईं। पेंको शहर के 25 वर्षीय छात्र माटियास सिड ने न्यूज एजेंसी AFP को बताया, आग पूरी तरह बेकाबू हो गई है। आग का बवंडर घरों को निगल गया। हम सिर्फ पहनने के कपड़ों में जान बचाकर निकले। अगर 20 मिनट और रुकते तो जिंदा जल जाते। आग न्युब्ले और बायोबियो इलाकों में फैली है, जो राजधानी सैंटियागो से करीब 500 किलोमीटर दक्षिण में हैं। तेज हवाओं के चलते लगातार दो दिनों से आग फैल रही है। उन्होंने बयान दिया, "मुश्किल वक्त में चिली एकजुट है। सरकार और राष्ट्रपति मिलकर काम करेंगे।" चिली के पोर्ट सिटी लिरक्वेन में भी हालात गंभीर हैं।

फुटेज में एक हाइवे के किनारे मौजूद पहाड़ियों में लगी आग से धुएं का गुबार उठता नजर आया है। (सोर्स-X)

राष्ट्रीय आपदा रोकथाम की निदेशक एलिसिया सेब्रियन ने बताया कि सबसे ज्यादा निकासी पेंको और लिरक्वेन से कराई गई है। दोनों कस्बों की कुल आबादी करीब 60 हजार है। बायोबियो के वन संरक्षण एजेंसी प्रमुख एस्टेबान क्राउस ने कहा कि रविवार को मौसम दमकलकर्मियों के लिए बेहद खराब रहा। तेज हवाएं और ज्यादा तापमान आग को और भड़का रहे हैं।

आग में कई गाड़िया जलकर नष्ट हो गई है।

सरकार ने आपातकाल और कर्फ्यू घोषित किया

राष्ट्रपति गैब्रियल बोरिक ने न्युब्ले और बायोबियो में आपातकाल घोषित कर दिया है। करीब 4 हजार दमकलकर्मी आग बुझाने में लगे हैं। आपातकाल के तहत सेना की मदद भी ली जा रही है। राष्ट्रपति खुद प्रभावित शहर कॉन्सेप्सियोन पहुंचे और हालात की समीक्षा की। उन्होंने सबसे ज्यादा प्रभावित इलाकों में रात का कर्फ्यू लगाने का ऐलान किया।

भारत-कोकिंग-कोल के शेयर की 96% प्रीमियम पर लिस्टिंग

मुंबई। भारत कोकिंग कोल (BCCL) की शेयर बाजार में आज यानी सोमवार (19 जनवरी) को 96% प्रीमियम के साथ लिस्टिंग हुई। कंपनी का शेयर नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) पर 45 पर लिस्ट हुआ, जो कि इसके 23 के इश्यू प्राइस से 95.65% ज्यादा है। वहीं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) पर यह 45.21 पर लिस्ट हुआ है। जिन निवेशकों को IPO में शेयर अलॉट हुए थे, उनका पैसा पहले ही दिन लगभग दोगुनी हो गया है। कंपनी ने इस पब्लिक इश्यू के जरिए 1,071.11 करोड़ जुटाए हैं। यह साल 2026 की पहली बड़ी मेन-बोर्ड लिस्टिंग है। BCCL के IPO का प्राइस बैंड 21-23 तय किया गया था। एक लॉट में 600 शेयर थे, जिसके लिए रिटेल निवेशकों को 13,800 निवेश करने पड़े थे। 45 की लिस्टिंग के हिसाब से निवेशकों के एक लॉट की वैल्यू अब बढ़कर 27,000 हो गई है। यानी हर निवेशक को एक लॉट पर करीब 13,200 का लिस्टिंग गेन मिला है।

खामेनेई पर हमले को जंग मानेंगे : मसूद पजशकियान

ट्रम्प ने कहा था- प्रदर्शनकारियों की हत्याएं जारी रहीं तो हम दखल दे सकते हैं

तेहरान, एजेंसी

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पजशकियान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई पर हमला हुआ, तो इसे ईरान के खिलाफ जंग माना जाएगा। ईरान में 28 दिसंबर से जारी हिंसक प्रदर्शन में अब तक 5,000 लोगों की मौत हो गई है। इनमें करीब 500 सुरक्षाकर्मी शामिल है। एक ईरानी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर रॉयटर्स को यह जानकारी दी है। ट्रम्प ने 15 जनवरी को बताया था कि हत्याएं अब कम हो रही हैं। व्हाइट हाउस ने भी दावा किया कि ट्रम्प के दबाव के बाद ईरान ने 800 लोगों की फांसी की योजना रोक दी है। संयुक्त राष्ट्र की सहायक महासचिव मार्था पोबी ने परिषद को बताया कि ये प्रदर्शन तेजी से फैले। इसमें काफी जान-माल का नुकसान हुआ है। मानवाधिकार संगठनों के अनुसार, अब तक 3,428 प्रदर्शनकारियों को मार डाला गया, जबकि 18,000 से ज्यादा लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। हालांकि संयुक्त राष्ट्र इन आंकड़ों की पुष्टि नहीं कर सका है। ईरान के निर्वासित क्राउन प्रिंस रजा पहलवी ने रविवार को कहा है।

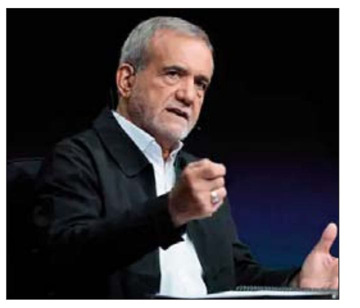

पजशकियान ने एक्स पर पोस्ट कर कहा कि किसी भी हमले का कठोर और पछतावे वाला जवाब दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर ईरान के लोगों की जिंदगी में मुश्किलें हैं, तो इसकी एक बड़ी वजह अमेरिका और उसके सहयोगियों के लगाए हुए प्रतिबंध हैं। पजशकियान की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के बयानों के बाद आई है। ट्रम्प ने चेतावनी दी थी कि अगर प्रदर्शनकारियों की हत्याएं या फांसी जारी रहीं।

हजरतगंज कोतवाली पहुंचीं नेहा सिंह, बयान देंगी

गाना गाया था- 'चौकीदरवा कायर बा', सुप्रीम कोर्ट से गिरफ्तारी पर है रोक

■ थोड़ा इंतजार के बाद नेहा सिंह राठौर थाने से निकल गईं। गाड़ी में इस साइड नेहा के पति हिमांशु और उधर नेहा बैठी हैं।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली में गायिका नेहा सिंह राठौर सोमवार को सुबह 11 बजे बयान दर्ज कराने पहुंच गईं। सुप्रीम कोर्ट ने उनकी गिरफ्तारी पर अंतरिम रोक लगाई हुई है। पहलगाम आतंकी हमले के बाद उन्होंने 'चौकीदरवा कायर बा'... गाना गाया था। उसके बाद वाराणसी और लखनऊ में उनके खिलाफ FIR दर्ज हुई थी। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के तहत नेहा सिंह राठौर 19 जनवरी को लखनऊ की हजरतगंज कोतवाली के महिला थाना पहुंचीं। तय समय के अनुसार वह सुबह करीब 11 बजे अपने पति हिमांशु के साथ पहुंचीं। उन्होंने तमसा संकेत से कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के पालन में मैं तय समय पर पहुंच चुकी हूं। यहां मुझे अपना बयान देना है। हिंदू संगठनों और भाजपा कार्यकर्ताओं ने 20 मई को नेहा सिंह राठौर के खिलाफ वाराणसी कमिश्नरेट के 3 जोन के 15 थानों में 500 से ज्यादा शिकायतें दीं। अकेले लंका थाने में ही 318 शिकायतें आईं। मामला दर्ज होने के बाद नेहा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल X पर एक वीडियो पोस्ट किया था। उन्होंने लिखा था- पहलगाम हमले के जवाब में सरकार ने अब तक क्या किया है? क्या आपने मेरे खिलाफ एफआईआर दर्ज की है? अगर हिम्मत है।

मैं सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर यहां आई

नेहा सिंह ने 11:15 पर बताया- मुझे सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि 19 जनवरी को सुबह 11 बजे बयान देना है। विवेचना अधिकारी के सामने मैं अपना बयान दर्ज कराऊंगी। दिए गए समय पर मैं यहां आ गई। अभी विवेचना अधिकारी से मुलाकात नहीं हुई है। दोपहर 1:37 पर बताया कि मैं हजरतगंज घूम रही हूं। थाने पर शाम 4 बजे बुलाया गया है। अब 4 जाकर बयान दर्ज कराऊंगी। लखनऊ पुलिस के मुताबिक, 12 मई को नेहा सिंह राठौर के गाने चौकीदरवा कायर बा... बेटियां किसानन खातिर बनल जनरल डायर बा... पर विवाद छिड़ा। आरोप लगा कि नेहा ने पीएम नरेंद्र मोदी को जनरल डायर कहा है।

4 लाख एफआईआर कराइए, डरूंगी नहीं

इस पर नेहा ने कहा था- इस वक्त मेरे साथ क्या और क्यों हो रहा है। मैं इस सरकार से सवाल पूछ रही हूं। लेकिन, सरकार के पास मेरे सवालों का कोई जवाब नहीं है। बदले में मुझे गालियां दिलवाई जा रही हैं। 400 शिकायतें नहीं 4 लाख FIR करवा दीजिए, आपसे नहीं डरूंगी। अभी विवेचना अधिकारी से मुलाकात नहीं हुई है।

2 समुदायों के बीच नफरत फैलाने का आरोप

22 अप्रैल को हुए पहलगाम आतंकी हमले को लेकर नेहा ने सोशल मीडिया पर कई पोस्ट किए थे। सरकार पर सवाल उठाए थे। इन पोस्टों से आहत होकर अभय प्रताप सिंह ने हजरतगंज कोतवाली में नेहा के खिलाफ FIR दर्ज कराई थी। आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया पर दो समुदायों के बीच नफरत फैलाने और देश की अखंडता को तोड़ने वाली पोस्ट की है।

नेहा सिंह राठौर को यह राहत 8 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट से मिली थी। न्यायमूर्ति जे.के. माहेश्वरी और अतुल एस. चंदुरकर की पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार और मामले की शिकायतकर्ता को नोटिस जारी किया था। इसमें कहा कि नेहा राठौर के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी। कोर्ट ने राठौर को जांच अधिकारी के सामने पेश होने और जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था।

■ महिला थाना में नेहा सिंह राठौर पहुंच गईं। वह विवेचना अधिकारी के सामने बयान देंगी।

लखनऊ में लकड़ी से भरी पिकअप पलटी

ई-रिक्शा चपेट में आया, 2 साल के बच्चे समेत 7 लोग घायल

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मलिहाबाद थाना क्षेत्र में सोमवार सुबह एक सड़क हादसा हो गया। लक्की धर्मकांटा के पास लकड़ी के प्लाईबोर्ड से लदी महिंद्रा पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गई और सामने से गुजर रहे ई-रिक्शा पर जा गिरी। हादसे में ई-रिक्शा सवार 7 लोग घायल हो गए, जिनमें 2 साल का मासूम भी शामिल है। पुलिस के मुताबिक सुबह करीब 11 बजे पिकअप बोलेरो (डाला) UP30BT0474 तेज रफ्तार में था। अचानक संतुलन बिगड़ने से वाहन पलट गया। पलटते ही पास से गुजर रहा ई-रिक्शा (UP32QT1544) उसकी चपेट में आ गया। टक्कर के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। हादसे के चलते सड़क पर जाम लग गया। आने जाने वाले रास्ते पर गाड़ियों की लंबी लाइन लग गई। हालांकि पुलिस के पहुंचने के कुछ देर बाद वाहनों को हटवाकर आवागमन सामान्य कराया गया। सूचना मिलते ही मलिहाबाद थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को एम्बुलेंस के जरिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) मलिहाबाद पहुंचाया, जहां सभी का प्राथमिक उपचार किया।

फास्ट न्यूज

बच्चों में बुखार के बाद दिव्यांगता

गाजीपुर। गाजीपुर के कई गांवों में छोटे बच्चों के तेज बुखार के बाद मानसिक रूप से दिव्यांग होने के मामले सामने आए हैं। इस गंभीर समस्या को राष्ट्रीय युवा सम्मान से सम्मानित सिद्धार्थ राय ने राज्यपाल आनंदीबेन पटेल तक पहुंचाया। मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्यपाल ने जिला प्रशासन को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। बताया जा रहा है कि प्रभावित गांवों में जन्म के समय बच्चे पूरी तरह स्वस्थ होते हैं।

शोहदे को 12 थप्पड़ जड़े, हाथ जोड़ माफी मांगता रहा

गोरखपुर। गोरखपुर में एक युवक ने छात्रा से छेड़खानी कर दी। हाथ पकड़कर गली में खींच लिया। छात्रा ने तुरंत झटक कर हाथ छुड़ाया। बचने के लिए भागने लगी। लड़के की इस हरकत का गली में खड़े लोगों ने वीडियो बना लिया। वीडियो सामने आने के 24 घंटे के अंदर ही पुलिस की एंटी रोमियो स्क्वायड ने आरोपी युवक को अरेस्ट कर लिया। आरोपी पुलिस के सामने युवक ऐंठ दिखाने लगा तो बीच बाजार महिला सिपाही ने कान पकड़कर सबक सिखाया। 30 सेकेंड में शोहदे के गाल पर 12 थप्पड़ बरसाए। पुलिस की कार्रवाई देख गोला क्षेत्र के रहने वाले लोग तालियां बजाने लगे। पुलिस कस्टडी में युवक ने अपना जुर्म स्वीकार किया। फिर गिड़गिड़ाते हुए हाथ जोड़कर माफी मांगी। कहा- मैंने एक लड़की का हाथ पकड़ लिया था। अब दोबारा से ऐसी गलती नहीं होगी। सब लोग मुझे माफ कर दो।

मौसम खराब होने से लखनऊ एयरपोर्ट पर कई उड़ानें लेट

लखनऊ। लखनऊ में मौसम की खराबी और कोहरे की वजह से एक बार फिर हवाई यातायात प्रभावित हुआ। चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर सोमवार को आने और जाने वाली कई घरेलू व अंतरराष्ट्रीय उड़ानें अपने तय समय से देरी से संचालित हुईं। इससे यात्रियों को एयरपोर्ट पर लंबा इंतजार करना पड़ा। सुबह से ही उड़ानों के शेड्यूल में बदलाव देखने को मिला।

एमबीए छात्र ने सल्फास खाकर दोस्तों को बुलाया

बोला- अस्पताल ले चलो, नहीं बची जान, राम स्वरूप यूनिवर्सिटी में पढ़ रहा था

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के चिनहट इलाके में MBA के छात्र ने सल्फास खाकर सुसाइड कर लिया। छात्र दोस्तों के साथ विधायक कोठी के पास रहता था। दोस्तों ने आनन-फानन में इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया। वहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। सेहरा जलालपुर महरुआ, अंबेडकरनगर निवासी आशीष पांडेय (25) पुत्र स्वर्गीय नागेश्वरनाथ पांडेय लखनऊ के रामस्वरूप यूनिवर्सिटी से MBA की पढ़ाई कर रहा था। लखनऊ में दोस्त गौरव और विकास के साथ मटियारी में विधायक कोठी के पास किराए के कमरे में रहता था। दोस्त विकास में बताया रविवार को रात 10 बजे वह दूसरे कमरे में बैठा था। तभी आशीष जोर से चिल्लाकर आवाज दी। अंदर पहुंचने पर बोला कि सल्फास खा लिया है, मुझे अस्पताल ले चलो। ओला टैक्सी बुक करके लोहिया अस्पताल लेकर आए। जहां एक घंटे चले इलाज के बाद डॉक्टर ने आशीष को मृत कर दिया। विकास ने बताया आशीष का MBA लास्ट ईयर था। उसका इंडियामार्ट में कैंपस प्लेसमेंट हुआ था। 4 फरवरी को उसकी जॉइनिंग थी। आशीष कुछ तनाव में रहता था। डिप्रेशन की दवाई भी खा रहा था। वहीं, अंबेडकरनगर से आए परिजनों ने बताया कि परिवार में मां सुभद्रा पांडेय और तीन बहनें हैं। आशीष घर का इकलौता लड़का था। इंस्पेक्टर चिनहट दिनेश चंद्र मिश्रा का कहना है रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वीआईपी मूवमेंट के कारण तीसरे दिन हुआ श्वेता का पोस्टमॉर्टम

मां बोली- सचिन बात करने से मना करता था, वीडियो कॉल कर बेटी को थप्पड़ जड़े थे

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर के महाराजपुर में अवैध संबंधों के शक में हुए मर्डर के तीसरे दिन मृतका श्वेता का पोस्टमॉर्टम किया गया। मृतका की मां ने बिलखते हुए बताया कि बेटी चोरी छिपे उन्हें इंस्टाग्राम के जरिए कॉल करती थी। दामाद सचिन हम लोगों से बात करने को मना करता था, 10 जनवरी को बेटी से बात करने पर सचिन ने श्वेता की बेरहमी से पिटाई की थी। बेटी ने कहा कि मार रहे हो मां से शिकायत करूंगी, तो सचिन ने गुस्सा कर वीडियो कॉल की और एक के बाद एक कई थप्पड़ जड़े। इसके बाद मुझसे बोला कि– अब बेटी से तुम जितने बार बात करोगी, इसी तरह उसे मारूंगा और तुझको वीडियो कॉल कर दिखाऊंगा। वहीं मामले में पुलिस की एक बड़ी लापरवाही देखने को मिली। घटना के तीसरे दिन पुलिस ने

श्वेता मृतक | पति सचिन हत्यारोपी

मृतका श्वेता का पोस्टमार्टम कराया, इस दौरान बॉडी डिकंपोज होने लगी। मृतका के चचेरे भाई आशीष सिंह ने बताया कि उन्होंने पुलिस से पंचायतनामा भरने की बात कही, तो पुलिस ने शहर में वीआईपी मूवमेंट में हवाला दिया और रविवार देर शाम पंचायतनामा भरकर भेजा, लेकिन देर होने के कारण पोस्टमार्टम नहीं सका। जिससे परिजन पूरे दिन भटकते रहे। गाजीपुर के मोहनपुर गांव निवासी श्वेता की मां ऊषा देवी ने बिलखते हुए कहा कि हत्यारोपी सचिन झूठ बोल रहा था कि बेटी के साथ कमरे में लड़के मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि सचिन व उसके परिजन दहेज में 10 लाख रुपए की मांग करते थे। दहेज न देने पर सचिन ने परिजनों के साथ मिलकर बेटी को मौत के घाट उतार दिया। ऊषा ने बताया कि सचिन उनकी बेटी को खाने तक के लिए मोहताज रखता था। बेटी ने फोन कर मुझे बताया था कि मम्मी मुझे बहुत तकलीफ है, मैं आपके पास आ जाऊंगी। ये (सचिन) मुझे बहुत परेशान करता है। मुझसे बहुत बड़ी गलती हो गई, जो मैने इससे शादी कर ली। मैने बेटी से कहा था कि मैं तुम्हे पैसे भेज दूंगी, तुम घर आ जाना.... मैं उसे पैसा भेजने वाली थी, लेकिन तब तक बेटी के मौत की खबर आ गई। मां ऊषा ने कहा कि मेरी बेटी की हत्या पूरी साजिश के तहत की गई। पूरे परिवार ने मिलकर मेरी बेटी को मारा है। सचिन ने सरेंडर इसलिए किया।

उत्तर रेलवे ने मौनी अमावस्या पर चलाई 17 मेला स्पेशल ट्रेनें

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। मौनी अमावस्या के अवसर पर उत्तर रेलवे ने प्रयाग और अयोध्या में तीर्थयात्रियों के सुगम आवागमन के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। इस दौरान नियमित ट्रेन सेवाओं के साथ-साथ कुल 17 मेला स्पेशल रेलगाड़ियां चलाई गईं, जिससे लगभग 45,000 यात्रियों ने इनका लाभ लिया। प्रयाग क्षेत्र में तीर्थयात्रियों की भीड़ को देखते हुए रेलवे ने नियमित और स्पेशल ट्रेन सेवाओं का मिश्रित प्रबंधन किया। अयोध्या में भीड़ जारी रहने की संभावना को देखते हुए रेलवे ने यात्रियों के सुगम आवागमन के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। उत्तर रेलवे ने कहा कि तीर्थयात्री पारंपरिक तीर्थ यात्रा ट्रायंगल को पूरा करने के लिए वाराणसी की ओर बढ़ सकते हैं। रेलवे ने यात्रियों को भरोसा दिलाया कि उनकी सुरक्षित और आसान यात्रा सुनिश्चित करने के लिए सभी इंतजाम किए गए हैं।

महिला ही परिवार को रख सकती है एकजुट : ममता श्रीवास्तव

टूटते परिवारों को बचाने में महिलाओं की अहम भूमिका

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। चित्रगुप्त सभा इंदिरा नगर में महिला सम्मेलन व खिचड़ी भोज का आयोजन के साथ ही महिला सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में सिटी ग्रुप आफ कॉलेज की डायरेक्टर डॉ ममता श्रीवास्तव ने कुटुंब प्रबोधन पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा का किस प्रकार एक महिला बहू,बेटी ,मां का रोल निभाती है किस प्रकार उसका जुड़ाव परिवार के प्रति होता है और वह एक परिवार को एकजुट रखती है। महिला सम्मेलन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति भी बहुत सुंदर तरीके से की गई। कार्यक्रम में गणेश वंदना रिद्धि गौड़ एवं सिद्धि गौड द्वारा जबकि श्रीमती कविता श्रीवास्तव द्वारा सरस्वती वंदना प्रस्तुत की गई।कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए माता व पुत्री की बहुत ही मनमोहक प्रस्तुति हुई जिसमें लवी अस्थाना व उनकी पुत्री सिद्धि अस्थाना आकृति व उनकी पुत्री आरोही चित्रगुप्त सभा की सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति व उनकी पुत्री श्रीजा नारायण सपना खरे व उनकी पुत्री खुशबू श्रीवास्तव व वंशिका के द्वारा नत्य की प्रस्तुति की गई। कार्यकारिणी सदस्य अनीता व सीमा सक्सेना द्वारा गीत प्रस्तुति व कुटुंब प्रबोधन पर विचार प्रस्तुत किए गए। सांस्कृतिक मंत्री प्रतीति द्वारा मुख्य अतिथि डॉ ममता श्रीवास्तव ,विशिष्ट अतिथि रितु खरे तथा मुख्य वक्ता रेशमा निगम तथा कीर्ति श्रीवास्तव का स्वागत किया गया। इससे पहले कार्यक्रम का प्रारंभ चित्रगुप्त सभा के महामंत्री शशिकांत श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

मौत : अस्पताल के बाहर कार मिली, चित्रकूट जाने की बात कहकर घर से निकले थे

रीजेंसी हॉस्पिटल में ट्रांसपोर्टर का शव छोड़कर भागे युवक- युवती

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। काकादेव थानाक्षेत्र के सर्वोदय नगर स्थित रीजेंसी हास्पिटल में सोमवार तड़के युवक और युवती ट्रांसपोर्टर का शव छोड़कर भाग निकले। ट्रांसपोर्टर की कार हास्पिटल के बाहर खड़ी थी। ट्रांसपोर्टर कानपुर देहात के रनियां जैनपुर के रहने वाले थे और कार से चित्रकूट जाने की बात कहकर रविवार शाम घर से निकले थे। काकादेव पुलिस ने परिजनों को ट्रांसपोर्टर के मौत की सूचना दी। इस पर परिजन रीजेंसी पहुंचे तो वहां पर एंबुलेंस में मनीष का शव रखा हुआ था। हास्पिटल के बाहर ही उनकी कार खड़ी थी। जब उन्होंने गार्ड से बातचीत की तो पता चला कि एक युवक और युवती मनीष को लेकर यहां आए थे, लेकिन इसके बाद वह दोनों कहां चले गए पता नहीं। सोमवार तड़के करीब साढ़े तीन बजे उनके मोबाइल पर अंजान नंबर से किसी युवती का फोन आया। उसने बताया कि मनीष की हालत गंभीर है और वह रीजेंसी हास्पिटल में भर्ती हैं। कुछ देर बाद ही एक अन्य नंबर युवक ने यही जानकारी देकर जल्द पहुंचने को कहा।

सोमवार तड़के ट्रांसपोर्टर के मोबाइल पर आया था फोन

कानपुर देहात के यूपीए-सआइडीसी रनियां जैनपुर निवासी 40 वर्षीय मनीष यादव ट्रांसपोर्टर थे। उनका जैनपुर में ही ट्रांसपोर्ट है। परिवार में पत्नी अनामिका बेटी पायल व करन अर्जुन बेटे हैं। बड़े भाई सुनील कुमार यादव ने बताया कि रविवार शाम मनीष चित्रकूट जाने की बात कहकर अपनी कार से निकले थे।

■ मृतक ट्रांसपोर्टर मनीष यादव (फाइल फोटो)

सीसीटीवी फुटेज में कैद हुए युवक-युवती

जानकारी पर काकादेव पुलिस मौके पर पहुंची और सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें युवक–युवती हास्पिटल में संदिग्ध दिखे, जो मनीष को भर्ती कराने आए थे। बड़े भाई सुनील का कहना कि कार में ही मनीष के दोनों मोबाइल स्विच आफ मिले हैं। साथ ही उसके खाते से ट्रांजेक्शन भी हुआ है। काकादेव थाना प्रभारी राजेश कुमार शर्मा ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज देखे जा रहे हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

डायवर्जन फेल...

यह यातायात लालबत्ती चौराहा, कैंट या गोल्फ क्लब चौराहा, 1090 चौराहा होकर जा सकेगा। डीएसओ चौराहा से हजरतगंज, जीपीओ पार्क, विधानसभा मार्ग की ओर सामान्य यातायात नहीं जा सकेंगे। यह यातायात पार्क रोड, मेफेयर तिराहा होकर जाएगा। अशोकलाट चौराहा से सामान्य यातायात रॉयल होटल चौराहा की तरफ नहीं जा सकेगा। यह यातायात परिवर्तन चौक और वर्लिंग्टन चौराहा होते हुये जा सकेगा। संकल्प वाटिका पुल के नीचे तिराहा से महानगर की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें सिकन्दरबाग चौराहा, हजरतगंज चौराहा, विधान सभा की ओर नहीं जा सकेंगी। यह बसें बैकुण्ठ धाम, 1090 (गांधी सेतु) चौराहा, बन्दरियाबाग चौराहा, लालबत्ती चौराहा, कैंट होते हुए जा सकेंगी। केकेसी तिराहा से चारबाग की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें हुसैनगंज चौराहा, रॉयल होटल चौराहा, विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगी। यह बसें लोको चौराहा, कैंट या वर्लिंग्टन चौराहा से कैसरबाग होकर जा सकेंगी। गोमतीनगर की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें सिकन्दरबाग चौराहा, हजरतगंज चौराहा, विधानसभा की ओर नहीं जा सकेंगी। यह बसें बैकुण्ठ धाम, संकल्प वाटिका ओवरब्रिज, चिरैया झील तिराहा होकर कैसरबाग होते हुये तथा 1090 (गांधी सेतु) चौराहा, बन्दरिया-बाग चौराहा, लालबत्ती चौराहा, कैण्ट होते हुए जा सकेंगी।

नितिन नबीन ...

नितिन को 14 दिसंबर 2025 को पार्टी का कार्यकारी अध्यक्ष बनाया गया था। नितिन की पत्नी दीपमाला श्रीवास्तव ने कहा- केंद्रीय नेतृत्व को पहचान है कि कौन व्यक्ति काम करने में सक्षम, हीरे की परख जौहरी को ही होती है। पार्टी ने हीरा चुनकर निकाल लिया। पार्टी के लिए नितिन ने दिन रात मेहनत की। उनकी मेहनत का फल उन्हें मिल गया। भाजपा में अब तक 11 नेता राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं। इनमें लालकृष्ण आडवाणी तीन बार अध्यक्ष बने, जबकि राजनाथ सिंह ने दो बार यह जिम्मेदारी संभाली। नितिन नबीन सबसे युवा राष्ट्रीय अध्यक्ष बने हैं। पिछले 6 महीने में तीन राज्यों में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष निर्विरोध चुने गए हैं। जुलाई में हेमंत खंडेलवाल को एमपी का प्रदेश अध्यक्ष चुना गया था। उसके बाद दिसंबर में केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री और सात बार के लोकसभा सांसद पंकज चौधरी को उत्तर प्रदेश बीजेपी का प्रदेश अध्यक्ष चुन गया था।

संजय राउत ने की ...

शिंदे ने मणिपुर के नबाम रेबिया केस का फायदा उठाया था, जिसमें सुप्रीम कोर्ट ने सत्ता से बागी हुए विधायकों की सरकार बना दी थी। साथ ही शिंदे ने महाराष्ट्र विधानसभा में डिप्टी स्पीकर के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव का नोटिस दे दिया था, ताकि डिप्टी स्पीकर शिंदे गुट के 16 विधायकों की अयोग्यता पर फैसला न ले पाएं। इस पूरे घटनाक्रम के दौरान शिवसेना के 15 विधायक, 10 निर्दलीय विधायकों के साथ 20 जून 2022 के साथ पहले सूरत फिर गुवाहाटी चले गए। 23 जून को शिंदे ने दावा किया उन्हें 35 विधायकों का समर्थन हासिल है। इसके बाद फ्लोर टेस्ट, उद्धव के इस्तीफे बाद 30 जून 2022 को शिंदे मुख्यमंत्री बने। शिवसेना (यूबीटी) 65 वार्डों के साथ दूसरे स्थान पर रही, जबकि MNS ने 6 सीटें और NCP (एसपी) को 1 सीट मिली है। इन तीनों की कुल सीटें 72 हैं। कांग्रेस ने 24 वार्डों में, ओवैसी की पार्टी ने 8 सीटों पर और समाजवादी पार्टी ने 2 वार्डों में जीत हासिल की है। अगर पूरा विपक्षी खेमा एक हो भी जाए तो कुल आंकड़ा 106 होगा। यानी बहुमत से 8 सीटें कम। यहीं से पार्षदों की खरीद-फरोख्त और दलबदल का खतरा नजर आ रहा है। ठाकरे परिवार अगर 8 पार्षदों को अपने साथ मिलाने में कामयाब होता है तो BMC पर भाजपा का कब्जा रोक सकती है। बीएमसी चुनाव में हार के बाद मुंबई कांग्रेस की आंतरिक कलह सड़कों पर आ गई है। हार का ठीकरा मुंबई अध्यक्ष वर्षा गायकवाड़ पर फोड़ने वाले नेता जगताप को कांग्रेस आलाकमान ने 'कारण बताओ' नोटिस जारी किया है।

आरएसएस...

कांग्रेस ही संविधान को बचा सकती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने संविधान में बदलाव करके पंचायत, जिला और राज्य स्तर पर शासन को मजबूत किया। संविधान बचाने का मतलब है सत्ता और फैसलों का अधिकार लोगों तक पहुंचाना। राहुल ने कहा कि RSS और BJP सत्ता को अपने पास ही रखना चाहती हैं, लेकिन कांग्रेस सत्ता को नीचले स्तर तक पहुंचाने में भरोसा रखती है और गांव-कस्बों में लोकतंत्र को मजबूत करना चाहती है। दिल्ली में हुई बैठकों में अलग-अलग नेताओं की अलग राय थी, लेकिन मैंने साफ कहा था कि UDF पंचायत और विधानसभा चुनाव जीतेगा। असली सवाल जीत के बाद का है। केरल में बेरोजगारी बड़ी समस्या है।

मणिकर्णिका घाट ...

प्रशासन ने सभी आरोपियों को 3 दिन यानी 72 घंटे के अंदर थाने में आकर अपना पक्ष रखने का निर्देश दिया है। मणिकर्णिका घाट पर लोगों ने पुलिस और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की। पुलिस-प्रशासन ने हाय-हाय के नारे लगाए। इस दौरान पुलिस से बहस भी हुई एसीपी अतुल अंजान त्रिपाठी ने कहा- कुछ संगठन के लोग थे जो मणिकर्णिका घाट पर पहुंचकर नारेबाजी कर रहे थे।

सड़क सुरक्षा जागरूकता को लेकर लखनऊ में दो दिवसीय कार्यशाला शुरू

हेलमेट, सीट बेल्ट और नियम पालन पर सख्ती के निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दयाशंकर सिंह ने गुरुवार को लोक निर्माण विभाग के विश्वेश्वरैया सभागार में आयोजित सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूकता एवं दक्षता विकसित करने हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का दीप प्रज्ज्वलन कर शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला सड़क सुरक्षा अभियान को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। परिवहन मंत्री ने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से विभागीय अधिकारी और अधिक दक्ष बनेंगे तथा क्षेत्र में जाकर सड़क सुरक्षा नियमों का प्रभावी ढंग से अनुपालन सुनिश्चित कर सकेंगे। उन्होंने स्पष्ट किया कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों की संख्या कम करने के लिए जन-जागरूकता सबसे अहम कारक है। उन्होंने कहा कि सरकार का दायित्व नियम बनाना और उनका पालन कराना है, लेकिन यदि आमजन अपनी दिनचर्या में सड़क सुरक्षा नियमों को अपनाएं, तो सड़क दुर्घटनाओं से होने वाली मौतों में 50 प्रतिशत तक की कमी लाई जा सकती है। उन्होंने मीडिया को भी इस दिशा में अहम भूमिका निभाने वाला बताया। परिवहन मंत्री ने बताया कि सरकार ने दोपहिया वाहन की बिक्री के समय दो हेलमेट देना अनिवार्य किया है। इसके साथ ही "नो हेलमेट, नो फ्यूल" का नियम भी लागू किया गया है, लेकिन जागरूकता की कमी के कारण इसका अपेक्षित लाभ अभी नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से स्वयं हेलमेट पहनने और पीछे बैठे व्यक्ति को भी हेलमेट पहनाने की अपील की।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6–बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ–226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0– 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676